जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, रविवार 14 दिसम्बर, 2025

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

अरावली में घासभूमियों का पुनर्स्थापन

अरावली पर्वतमाला के घासभूमियाँ या घास के मैदान जैव विविधता एवं आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। ये सैकड़ों वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का आवास प्रदान करती हैं तथा स्थानीय पशुपालक समुदायों को चारा व आजीविका उपलब्ध कराती हैं। घासभूमियों की पारिस्थितिक सेवाओं में मिट्टी का संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण, कार्बन संचयन एवं मरुस्थलीकरण को रोकना शामिल है। एक अध्ययन में राजस्थान की घासभूमियों में 375 से अधिक पादप प्रजातियाँ दर्ज की गईं, जो इन पारिस्थितिकियों की समृद्ध जैव-विविधता दर्शाता है।

इतने महत्त्व के बावजूद घासभूमियों को नीति एवं प्रबंधन में लम्बे समय तक 'बंजर भूमि' समझने की भूल होती रही है। औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश हुकूमत ने जिन खुली चरागाह भूमि को वाणिज्यिक वानिकी हेतु अनुपयोगी पाया, उन्हें बंजर घोषित कर दिया था। आज़ादी के बाद भी यह दृष्टिकोण काफी हद तक बना रहा।

अरावली क्षेत्र की घासभूमियों की परिस्थितियाँ राज्य के अन्य भागों से भिन्न हैं। अरावली पहाड़ियों में घासभूमियाँ प्रायः खंडित रूप में जंगलों में मिलती हैं।विस्तृत समतल चारागाह अधिकतर पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में हैं। कुल मिलाकर राजस्थान की घासभूमियाँ अत्यधिक जैव-विविध हैं, और कुछ अरावली से संबद्ध घास के मैदानों में प्रजाति-विविधता सबसे अधिक पाई गई है।

घासभूमियों के क्षरण के अनेक कारण रहे हैं। भूमि-उपयोग परिवर्तन और बढ़ता दबाव एक प्रमुख कारण है – बढ़ती मानव व पशु आबादी ने चारागाहों पर अत्यधिक भार डाल दिया है। कई घासभूमि क्षेत्रों को कृषि, उद्योग या शहरी विकास के लिए बदल दिया गया, और कुछ में खनन व अतिक्रमण से गंभीर क्षित हुई। साथ ही, वनों पर केंद्रित नीतियों ने घासभूमियों पर वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया है। हरित आवरण बढ़ाने के राष्ट्रीय लक्ष्य पूरे करने के लिए घासभूमि पर वृक्ष लगाना एक आसान तरीका समझा गया।

घासभूमियों में आक्रामक गैर-स्थानिक पौधों का प्रसार एक और बड़ी चुनौती है। राजस्थान और अरावली क्षेत्र में विलायती बबूल एक प्रमुख आक्रांता है जिसने बड़े इलाके में फैले खुले चरागाहों को घने कांटेदार झाड़-झंखाड़ में बदल दिया है। इसके अतिक्रमण से घास और स्थानिक फ़ोर्ब प्रजातियाँ दब जाती हैं तथा पारिस्थितिक सेवाएँ प्रभावित होती हैं। घासभूमि पर बाहरी वृक्षों/झाड़ियों के छा जाने से पानी का संतुलन बिगड़ता है – गहरी जड़ों वाली सदाबहार झाड़ियाँ भू-जल का अत्यधिक उपयोग कर वाष्पीकरण बढ़ा देती हैं, जिससे शुष्क क्षेत्रों में सतही जल उपलब्धता घटती है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन पहाड़ी जलग्रहण क्षेत्रों में देशज घासभूमि के स्थान पर आक्रामक पेड़ों ने कब्जा कर लिया, वहाँ भारी वर्षा पर मिलने वाला बाढ़-प्रवाह कई गुणा अधिक हो गया। निष्कर्षतः घासभूमि को वृक्षों से ढँक देने पर पर्वतीय क्षेत्रों में बाढ़ व तेज़ बहाव का जोखिम बढ़ सकता है। इससे संकेत मिलता है कि अरावली में अगर घासभूमि को प्राकृतिक स्वरूप में बहाल रखा जाए तो यह अतिवृष्टि की स्थिति में पानी को भूमि में सोखकर बाढ़ नियंत्रित करने में मददगार होगा।

इन चुनौतियों के बीच घासभूमि पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार अत्यावश्यक है। पारिस्थितिक दृष्टि से घासभूमि का स्वस्थ होना जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन दोनों में योगदान दे सकता है। वैश्विक स्तर पर घासभूमियाँ पृथ्वी के स्थलीय कार्बन भंडार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा संग्रहीत करती हैं, जिसमें करीब 90 प्रतिशत कार्बन भूमिगत जड़ों एवं मिट्टी में रहता है। अतः घासभूमि बहाली से भारी मात्रा में कार्बन मिट्टी में बाँधकर रखने में सहायता मिलेगी, जो एक महत्वपूर्ण जलवायु लाभ है। साथ ही, घासभूमि में प्रजातियों की विविधता बढ़ने से पौधों द्वारा भूमिगत कार्बनिक पदार्थ और सूक्ष्मजीव पदार्थ (मृतजीव द्रव्य) का योगदान बढ़ता है, जिससे मिट्टी में कार्बन स्थायी रूप से जमा होता है। जैव-विविधता की बहाली – विशेषकर तरह-तरह की घासों व चौड़ी पत्ती वाली जड़ी-बूटियों की उपस्थिति – मिट्टी की संरचना सुधार कर जल-धारण क्षमता बढ़ाती है। घने घास आवरण वर्षा के जल को भूमि में सोखकर भू-जल स्तर सुधारता है, मिट्टी कटाव रोकता है तथा सूखे के दौरान भी भूमि को खुली बंजर होने से बचाकर स्थानीय जलवायु को मंद बनाए रखता है।

घासभूमि पुनर्स्थापन की कार्यनीतियों में सबसे पहला कदम आक्रामक वृक्षों को नियंत्रित करना है। शोध से प्रमाण मिला है कि यदि यांत्रिक उपायों से जड़ सहित हटाया जाए तो घासभूमि की देशज वनस्पति तीव्रता से लौटने लगती है। गुजरात के बन्नी घासभूमि में 4 वर्ष तक हुए एक प्रयोग में विदेशी बबूल को पूरी तरह उखाड़ने वाले भूखंडों में शाकीय प्रजाति विविधता व आवरण नियंत्रण की तुलना में तीन से छह गुना तक बढ़ गया, जबकि केवल शाखाओं की छंटाई करने से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा। अतः जहां संभव हो, प्रोसोपिसका पूर्ण निष्कासन श्रेष्ठ पारिस्थितिक परिणाम देता है। हालांकि बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर ऐसा करना खर्चीला है और प्रोसोपिस से कुछ स्थानीय लाभ (ईंधन) भी जुड़े हैं। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की ज़रूरत है और क्रमिक रूप से हटाया जा सकता है।

> **घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे।**

पुनर्स्थापन में यह सुनिश्चित करना होगा कि केवल घास ही नहीं, बल्कि घासभूमि में पाई जाने वाली अन्य देशज जड़ी-बूटियाँ (फ़ोर्ब्स) भी वापस आएँ। पुरानी घासभूमियों में फ़ोर्ब प्रजातियाँ कुल वनस्पति विविधता का बड़ा हिस्सा होती हैं और पारिस्थितिकी सेवाओं व चारा आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। ये प्रजातियाँ आग, चराई, सूखा व पाला जैसे तनावों को सहकर घासभूमि की कार्यात्मक विविधता बनाए रखती हैं, फिर भी अब तक घासभूमि प्रबंधन में इनके संरक्षण पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है। अतः बहाली योजनाओं में घासों के साथ-साथ महत्वपूर्ण फ़ोर्ब प्रजातियों के बीजों का रोपण व प्रसार पर बल दिया जाए, ताकि संपूर्ण जैव-विविधता लौट सके। यदि कुछ बहुमूल्य बहुवर्षीय घास या फ़ोर्ब प्रजातियाँ प्राकृतिक रूप से पुनरावर्तन में कठिनाई महसूस कर रही हों तो उनकी सक्रिय पुनर्नस्थापपना (री-इंट्रोडक्शन) के उपाय करने चाहिए। उदाहरण के लिए पुराने सुरक्षित घास के मैदानों से अलग-अलग पट्टियों से ऊपर की 15 सेंटीमीटर मिट्टी लाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में बिखेरने से मृदा का सीड-बैंक भी आ जायेगा। ध्यान यह रखना है कि प्राचीन और सुरक्षित घास के क्षेत्रों से मिट्टी पूरी सतह से नहीं बल्कि पट्टियों के रूप में लाई जाए। महाराष्ट्र के अनुभव बताते हैं कि घास की विविध प्रजातियों को पौधशाला में उगाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में रोपित करना भी एक विकल्प है।

घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे। गुजरात के बन्नीघास के मैदानों में प्रोसोपिस निष्कासन एक विवादित मुद्दा रहा है, क्योंकि प्रोसोपिस ने जहाँ पारिस्थितिकी को बदला है वहीं कुछ लोगों की आय का स्रोत भी बन गया है।

प्रोसोपिस हटाने से चरागाह बढ़कर पशुधन संख्या व दुग्ध उत्पादन आय में लंबे समय में वृद्धि होगी, लेकिन इस पर निर्भर कोयला/ईंधन आय खत्म होने से कुछ परिवारों को वैकल्पिक आजीविका की आवश्यकता पड़ेगी। इन निष्कर्षों से जाहिर है कि घासभूमि पुनर्स्थापन करते समय समुदाय की आजीविका और जोखिम प्रबंधन की योजना साथ-साथ बनानी चाहिए। जिन लोगों पर प्रारंभिक समय में प्रतिकूल असर पड़े, उनके लिए वैकल्पिक रोज़गार/आय के स्रोत विकसित करना और मौसम आपदा की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन करना आवश्यक होगा। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही ऐसे लाभ-हानि के संतुलन साधे जा सकते हैं।

शासन स्तर पर भी सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में घासभूमि संरक्षण की ज़िम्मेदारी कई विभागों में बंटी होने से स्पष्ट नेतृत्व का अभाव है। कुछ घासभूमि क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं, कई चरागाह राजस्व या पंचायती भूमि में हैं, तथा कुछ भूमि को कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत अलग दिशा में उपयोग किया जाता है। इस विभाजित प्रबंधन के कारण घासभूमियाँ उपेक्षित या विरोधाभासी नीतियों का शिकार हो जाती हैं।

ज़रूरत है एक समेकित नीति की, जिसमें घासभूमियों को एक स्वतंत्र व मूल्यवान पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में मान्यता मिले। सरकार की भाषा में 'बंजर भूमि' शब्दावली को हटाकर इसे बदलने हेतु औपचारिक कदम उठाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से घासभूमि संरक्षण व पुनरुद्धार के लक्ष्य निर्धारित हों। वन क्षेत्र बढ़ाने के लक्ष्यों में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राकृतिक घासभूमियों को वृक्षारोपण से आच्छादित करने की गलती न हो। घासभूमि प्रबंधन में नियंत्रित आग एवं नियंत्रित चराई जैसे पारंपरिक तरीकों को शामिल करना चाहिए, क्योंकि इन्हीं प्रक्रियाओं ने कई घासभूमियों को सहस्राब्दियों तक बनाए रखा है। ग्राम-स्तर पर परंपरागत चरागाह प्रबंधन (जैसे चौमासा बंदी, चरणबद्ध चराई, आदि) के अनुभवों को भी आधुनिक योजनाओं में समाहित करना उचित होगा। पुनरुद्धार कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को रोज़गार और निर्णय-निर्धारण भूमिकाओं में सम्मिलित करके उनकी भागीदारी और हित सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

अरावली क्षेत्र के संदर्भ में पुनर्स्थापन करते समय कुछ तकनीकी बातों पर ध्यान देना होगा। यहाँ वर्षा अत्यधिक अनियत है – कभी अत्यल्प तो कभी अतिशय – इसलिए ऐसे देशज घास एवं फ़ोर्ब प्रजातियों का मिश्रण रोपित करना होगा जो सूखे व अति-वर्षा दोनों परिस्थितियों में टिक सकें। खारे व दलदली स्थलों के लिए विशिष्ट सहनशील प्रजातियों का चयन करना होगा – जैसे सांभर की खारी भूमि में स्यूडा जैसी लवण-सहिष्णु झाड़ी ताकि ये कठिन परिस्थितियों में भी पनपें। अरावली की ढलानों पर मिट्टी कटाव रोकने हेतु पुनरुद्धार के साथ कंटूर बांध, पत्थर कतार आदि संरक्षण उपाय करने चाहिए ताकि नई घासों की जड़ें मजबूत हो सकें। प्रारंभिक चरण में पुनर्स्थापित चारागाह क्षेत्रों को अत्यधिक चराई से बचाने के लिए कुछ समय तक संरक्षण देना पड़ेगा; समुदाय की सहमति से अस्थायी घेराबंदी कर पौध स्थापित करें, फिर चरणबद्ध ढंग से नियंत्रित चराई की अनुमति दें ताकि चरागाह और पशुधन दोनों टिकाऊ रहें।

निष्कर्षतः अरावली क्षेत्र में घासभूमि पुनरुद्धार एक बहुआयामी अभियान है, जो पारिस्थितिकी, समाज और शासन – तीनों के समन्वित प्रयास से ही सफल होगा। शोध स्पष्ट करते हैं कि घासभूमियाँ 'बंजर' नहीं बल्कि समृद्ध और प्राचीन पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिनके बहाली से जलवायु अनुकूलन व शमन, जैव-विविधता संरक्षण और समुदायों की आजीविका – तीनों उद्देश्यों में लाभ होगा। हाल ही में इस विषय पर तकनीकी जानकारी साझा करने हेतु वन विभाग राजस्थान और द नेचर कंसेर्वेंसी (टीएनसी) द्वारा अरावली के जिलों में कार्य करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों हेतु एक कार्यशाला आयोजित हो रही है। आशा की जाती है कि इससे अरावली में लगभग 35,000 हेक्टेयर घास के मैदानों के पुनर्स्थापन हेतु उपयोगी जानकारी का आदान-प्रदान होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में बदलता हुआ शिक्षा का परिदृश्य: राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका

अशोक कुमार

आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल विज्ञान कथाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और कार्यप्रणाली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। शिक्षा का क्षेत्र भी इस क्रांति से अछूता नहीं है। एआई के आगमन ने ज्ञान के प्रसार, सीखने के तरीकों और शैक्षिक सामग्री के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है। इस बदलते परिदृश्य में, शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रह गई है; उन्हें अब भावी राष्ट्र निर्माताओं को इस एआई-चालित दुनिया के लिए तैयार करने की महती जिम्मेदारी निभानी है। राष्ट्र निर्माण का कार्य ईंट, पत्थर और स्टील से नहीं, बल्कि सशक्त, कुशल और नैतिक रूप से जागरूक मानव संसाधन से होता है, और यही वह धुरी है जिस पर शिक्षण संस्थानों का अस्तित्व टिका है।

एआई द्वारा शिक्षा में लाए गए प्रमुख परिवर्तन

एआई ने शिक्षा के पारंपरिक मॉडल में कई क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं:–

वैयक्तिकृत शिक्षण

एआई-आधारित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स और प्लेटफॉर्म छात्र के सीखने की गति, क्षमता और रुचियों का विश्लेषण करते हैं। यह विश्लेषण प्रत्येक छात्र के लिए एक अनुकूलित पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री तैयार करने में मदद करता है। यह एक ही आकार सभी के लिए वाले पारंपरिक मॉडल से हटकर प्रत्येक छात्र के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह वैयक्तिकरण सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और आनंददायक बनाता है।

स्मार्ट कंटेंट और एक्सेसिबिलिटी : एआई पाठ्यपुस्तकों और वीडियो को इंटरैक्टिव (संवादात्मक) और अनुकूली सामग्री में बदल सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी विशेष अवधारणा को समझने में संघर्ष करता है, तो एआई स्वचालित रूप से अतिरिक्त उदाहरण, सिमुलेशन या अलग-अलग स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है। इससे ज्ञान की उपलब्धता बढ़ती है, खासकर दूर-दराज के क्षेत्रों और दिव्यांग छात्रों के लिए।

प्रशासनिक और मूल्यांकन दक्षता :

शिक्षक का अधिकांश समय मूल्यांकन, ग्रेडिंग और प्रशासनिक कार्यों में व्यतीत होता है। एआई-संचालित उपकरण इन कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं, जैसे कि बहुविकल्पीय प्रश्नों की जाँच करना या निबंधों का प्रारंभिक मूल्यांकन करना। इससे शिक्षकों को छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और रचनात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय मिलता है।

नए कौशल की मांग :

एआई के उदय ने कई पुरानी नौकरियों को अप्रचलित कर दिया है और डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, एआई एथिक्स जैसे नए क्षेत्रों में अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। शिक्षण संस्थानों को अब इन भविष्य के कौशलों को अपने पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा बनाना होगा। राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की केंद्रीय भूमिका एआई के इस नए युग में शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने से कहीं अधिक व्यापक है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में, उनकी जिम्मेदारियां बहुआयामी हैं:

21वीं सदी के कौशल का विकास :

एआई दोहराए जाने वाले और डेटा-आधारित कार्यों को संभाल लेगा। इसलिए, छात्रों को ऐसे उच्च-स्तरीय मानवीय कौशल सिखाने की आवश्यकता है जिन्हें एआई आसानी से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता:

आलोचनात्मक चिंतन : एआई द्वारा उत्पन्न जानकारी का मूल्यांकन और विश्लेषण करना।

समस्या-समाधानः जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए रचनात्मक समाधान विकसित करना।

रचनात्मकता और नवाचारः नए विचारों को जन्म देना और नवाचार को बढ़ावा देना।

एआई साक्षरता और नैतिक शिक्षा : शिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्र न केवल एआई का उपयोग करना सीखें, बल्कि यह भी समझें कि यह कैसे काम करता है। इससे भी महत्वपूर्ण, उन्हें एआई के नैतिक पहलुओं के बारे में शिक्षित करना होगा। डेटा प्राइवेसी, पूर्वाग्रह और एआई के जिम्मेदार उपयोग जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करना अनिवार्य है। एक नैतिक रूप से जागरूक एआई-कुशल कार्यबल ही एक न्यायसंगत और समावेशी राष्ट्र का निर्माण करेगा।

अनुसंधान और नवाचार केंद्र : विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों को एआई अनुसंधान और विकास का केंद्र बनना होगा। उन्हें उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि एआई-आधारित समाधान देश की विशिष्ट चुनौतियों, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और जलवायु परिवर्तन, के लिए तैयार किए जा सकें। यह मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों को बल देगा।

शिक्षकों का पुनर्शिक्षण और सशक्तीकरण :

शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों को एआई उपकरणों के उपयोग में प्रशिक्षित करना होगा। शिक्षक अब केवल ज्ञान के प्रेषक नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया के मार्गदर्शक और सह-शिक्षार्थी बन जाएंगे। उन्हें छात्रों को एआई के साथ प्रभावी ढंग से काम करना सिखाना होगा।

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा :

एआई में शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को कम करने की क्षमता है। संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई-आधारित शैक्षिक उपकरण समाज के सभी वर्गों तक पहुँचें, ताकि ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच की डिजिटल खाई कम हो सके। समावेशी पहुंच राष्ट्र के हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करके राष्ट्र निर्माण को मजबूत करती है।

चुनौतियाँ और आगे की राह :

एआई के शिक्षण में समावेश के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं: डेटा गोपनीयता, एल्गोरिथम में निहित पूर्वाग्रह (जो सामाजिक असमानताओं को बढ़ा सकता है), और उच्च-गुणवत्ता वाले एआई उपकरणों की लागत।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण संस्थानों को: बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। एआई साक्षरता को प्रारंभिक स्तर से ही पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। निरंतर कौशल उन्नयन को एक संस्थागत संस्कृति का हिस्सा बनाना चाहिए। मानवीय मूल्यों और सामाजिक विज्ञान की शिक्षा को और मजबूत करना चाहिए, ताकि तकनीकी प्रगति मानवीय दृष्टिकोण से संतुलित रहे।

निष्कर्ष– एआई का युग शिक्षा के लिए खतरा नहीं, बल्कि एक अभूतपूर्व अवसर है। शिक्षण संस्थान अब केवल डिग्रियाँ देने वाली फैक्ट्री नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वह शक्तिशाली इंजन हैं जो मानव पूंजी को एआई की शक्ति से लैस कर रहे हैं। उन्हें अपने पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों और नैतिक ढांचे में क्रांति लानी होगी। एआई के साथ सहयोग और प्रतिस्पर्धा करना सीखने वाला एक सशक्त, नैतिक और कुशल युवा ही 21वीं सदी में भारत को एक विश्व शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं है; यह एक सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन है जिसकी अगुवाई शिक्षण संस्थानों को करनी होगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

सूरौठ । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका की ओर से महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ के खेल मैदान में बच्चों की रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा। जिसमें सरकारी स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया, जिसमें बच्चों को , रंगोली कलर और अन्य सामग्री दी गई प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छ भारत मिशन, पधारो म्हारे देश, जल संरक्षण, प्रकृति का संरक्षण और स्वच्छता में सूरौठ नगरपालिका के साथ संदेश देते हुए रंगोली और पेंटिंग बनाई। जिसमें उत्साहवर्धन नगर पालिका सफाई निरीक्षक खेमराज मीना सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया, बच्चों की मेहनत और उनकी मन में बसी छवि को रंगोली बनाने के बाद प्रोत्साहित किया।

सीताराम गुप्ता को मिलेगा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

भरतपुर (निस)। ग्रामीण विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में दशकों से उत्कृष्ट और प्रेरणादायी योगदान देने वाले मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज (एमएनआईटी) के पूर्व छात्र सीताराम गुप्ता को मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी), जयपुर द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान आगामी 25 दिसंबर को जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। गुप्ता ने मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की तथा प्रारंभिक रूप से विद्युत विभाग में सहायक अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1989 में उन्होंने सरकारी सेवा छोड़कर

> ■ **25 दिसंबर को जयपुर में एमएनआईटी द्वारा किया जाएगा सम्मानित**

ग्रामीण एवं समग्र विकास के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और इस दिशा में कार्यरत संस्था में निदेशक का दायित्व संभाला।

अपने नेतृत्व में उन्होंने कृषि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं, तथा ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय एवं नवाचारी कार्य संपादित किए। विशेष रूप से भरतपुर क्षेत्र में मधुमक्खी पालन, मछली पालन, तुलसी माला निर्माण जैसे स्वरोजगार आधारित कार्यक्रमों की शुरुआत कर हजारों युवक-युवतियों को आजीविका से जोड़ा। गुप्ता के सतत एवं व्यक्तिगत प्रयासों का ही परिणाम है कि भरतपुर में देश की सबसे बड़ी शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना संभव हो सकी। इसके माध्यम से मधुमक्खी पालन का व्यवसाय न केवल भरतपुर बल्कि राजस्थान के सरसों उत्पादक जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों तक विस्तारित हुआ। वर्तमान में इस व्यवसाय से लगभग 8,000 युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है और करीब 9 हज़ार मैट्रिक टन शहद का विदेशों में निर्यात हो रहा है। इसी कारण भरतपुर की पहचान केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के साथ हनी सिटी के रूप में हो गयी है। वर्तमान में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक पद पर कार्यरत सीताराम गुप्ता को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के अतिरिक्त पूर्व वर्षों में अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें प्रमुख रूप से फिक्की अवार्ड, महिन्द्रा समृद्धि अवार्ड, इंडिया एग्रीकल्चर अवॉर्ड, सीआईआई नेशनल अवार्ड, एक्सीलेंस नाबार्ड अवार्ड, महात्मा सीएसआर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, भामाशाह अवार्ड, यूनेस्को चेतना अवार्ड, जी न्यूज़ अवार्ड, सीएसआर लाइफ टाइम अवार्ड, टाइम्स मैन ऑफ द ईयर अवार्ड, इकोनॉमिक टाइम्स लीडर अवार्ड तथा इंस्पायरिंग लीडर अवार्ड शामिल हैं।

तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात

भीलवाड़ा। तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात, हजारों लोगों को हैरान कर दिया । राजस्थान के भीलवाड़ जिले के लाखोला गांव में शनिवार को एक अनोखी बारात निकाली गई, जो पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई। दूल्हा और बाराती सात सजी-धजी नावों में सवार होकर तालाब के बीचों-बीच से दुल्हन के घर पहुंचे। गुब्बारों और फूलों से सजाई गईं ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया। गांववासियों ने बताया कि तालाब के किनारे बसे होने के कारण यह पारंपरिक तरीके से अलग रिवाज अपनाया गया। दूल्हा घोड़ी पर नहीं, बल्कि नाव पर सवार होकर विदाई लेने पहुंचा। बारातियों

भीलवाड़ा के लाखोला गांव के तालाब में नावों से अनोखी बारात निकली गई।

ने ढोल-नगाड़ों के साथ नावों पर ठुमके लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखोला गांव में ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला। यह

> ■ **गुब्बारों और फूलों से सजाई गई ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया**

आयोजन सामूहिक विवाह या पारिवारिक परंपरा का हिस्सा था, जो पर्यावरण-अनुकूल और रोमांचक रहा। कई लोग इसे राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बता रहे हैं। तालाब में बारात निकालने से पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह बारात लाखों को आकर्षित कर रही है।

राशिफल रविवार 14 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र प्रातः 8:18 तक, सौभाग्य योग दिन 11:45 तक, विष्टि करण सायं 6:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:43 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय प्रातः 8:18 तक है। आज भद्रा सायं 6:50 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:29 से 9:46 तक, लाभ-अमृत 9:46 से 12:21 तक, शुभ 1:39 से 2:56 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 5:31 तक

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष

आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

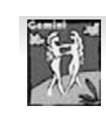

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

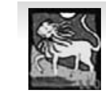

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन खर्च हो सकता है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक और अन्य कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

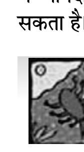

वृश्चिक

संभावित स्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

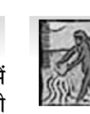

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 247 प्रभात जालोर, रविवार 14 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्या भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को बैलेंस कर लेगा पंकज चौधरी को यूपी में प्रदेश अध्यक्ष बनाकर?

भाजपा अब हर राजनीतिक निर्णय यू.पी. में वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव को मद्देनज़र रखकर ले रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश का नया भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले को राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए सोच-समझकर दिया गया संकेत और राज्य के लिए केन्द्रीय नेतृत्व की दीर्घकालिक चुनावी व संगठनात्मक योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों का कहना है कि यह कदम इस बात को रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव की रणनीति को काफी पहले से आकार देने को लेकर दृढ़ हैं, और योगी आदित्यनाथ को समय से पहले पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के पक्ष में नहीं हैं।

उनके अनुसार, यह नियुक्ति देश के सबसे अहम चुनावी राज्य में "सत्ता-केन्द्रों के पुनर्सन्तुलन" को साधने का एक सोचा-समझा प्रयास है।

- **क्योंकि पिछली बार लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था, जितना भाजपा आशा कर रही थी। इन नतीजों के कारण ही केन्द्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा को अन्य सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था।**
- **अब भाजपा अगले चुनाव में उस स्थिति की पुनरावृति नहीं होने देना चाहती है।**

उत्तर प्रदेश से सात बार सांसद रहे और प्रभावशाली कुर्मी समुदाय के प्रमुख नेता पंकज चौधरी के पास संगठनात्मक अनुभव के साथ-साथ, मजबूत सामाजिक आधार भी है।

उनकी पदोन्नति को ऐसे समय में गैर-यादव ओबीसी समर्थन को मजबूत करने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जब समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाकर अपने सामाजिक गठजोड़ को विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि पंकज चौधरी को योगी आदित्यनाथ के निकटवर्ती राजनैतिक गुट का हिस्सा नहीं माना जाता। भाजपा के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि उनके चयन का यही एक अहम कारण था। केन्द्रीय नेतृत्व योगी की उन जानी-पहचानी असहजताओं को भी ध्यान में रखे हुए था, जो उन्हें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक जैसे नेताओं से रहती हैं, जिनकी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पकड़ है। चौधरी को चुनकर पार्टी ने ऐसा चेहरा चुना है, जो दिल्ली को स्वीकार्य है, लेकिन मुख्यमंत्री की प्रशासनिक सत्ता के लिए चुनौती भी नहीं है।

पर्यवेक्षक इसमें पूर्वी भारत से जुड़ी एक व्यापक रणनीति भी देख रहे हैं। कुर्मी फैक्टर न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, बल्कि पड़ोसी बिहार में भी अहम है, जहाँ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इस समुदाय पर अब भी काफी प्रभाव है। भाजपा रणनीतिकारों का मानना है कि चौधरी की नियुक्ति से नीतीश के उस प्रभाव को कम किया जा सकता है और इस प्रकार बिहार में पार्टी की रणनीति के साथ यूपी के पूर्वी जिलों का बेहतर तालमेल में बिठाया जा सकता है।

राज्य की राजनीति से आगे, इस कदम को मोदी- दौर के बाद, भाजपा में उनके उत्तराधिकार को लेकर चल रही आंतरिक हलचल के बड़े संदर्भ में भी देखा जा रहा है। फिलहाल, शीर्ष नेतृत्व का संदेश साफ है: उत्तर प्रदेश भाजपा की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं के केन्द्र में रहेगा, और हर संगठनात्मक फैसला 2027, और उसके आगे के समय को पूरी तरह ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष बने

लखनऊ, 13 दिसंबर। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पद के लिये एकमात्र उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने। चौधरी के अध्यक्ष पर पर चुने जाने का औपचारिक ऐलान रविवार दोपहर किये जाने की संभावना है। वह निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का स्थान लेंगे।

चौधरी अध्यक्ष पद के इकलौते उम्मीदवार है जिन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में चार सेट में इस पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, चौधरी के नामांकन पत्रों में प्रस्तावक बने। चौधरी ने प्रस्तावकों की मौजूदगी में चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे और विनोद तावड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाने वाले चौधरी का इस पद पर चुना जाना तय है, जिसकी औपचारिक घोषणा रविवार दोपहर को की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज सोनिया गांधी कर्नाटक के मु.मंत्री के पद की गुत्थी पर अपना निर्णय देंगी?

रामलीला मैदान पर आयोजित कांग्रेस की विशाल रैली के बाद मु.मंत्री सिद्धारमैया व उनके प्रतिद्वंदी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सोनिया गांधी से मिलेंगे

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलेंगे। सूत्रों ने बताया, इस भेंट का संबंध कर्नाटक में राज्य के शीर्ष पद को लेकर जारी नेतृत्व विवाद से हो सकता है।

यह बैठक रामलीला मेला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की मेगा रैली के तुरंत बाद तय की गई है। यह रैली पार्टी के "वोट चोर, गद्दी छोड़" अभियान का हिस्सा है। इस अभियान से परिचित लोगों ने बताया कि इसमें भाजपा और चुनाव आयोग के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया गया है।

यह प्रकरण कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान के कुछ हफ्तों बाद पुनः सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में जो "भ्रम" व्याप्त है, उसे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वे खुद मिलकर सुलझाएंगे। खड़गे के इस बयान से इस मामले में उच्च स्तरीय हस्तक्षेप की संभावना के संकेत मिले थे। उन्होंने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री पद को साझा करने का समझौता उनके सामने हुआ था, इसलिए यदि शिवकुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो जाएगी।

- **कुछ समय पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे, सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उनकी मौजूदगी में समझौता हुआ था कि मु.मंत्री पद सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए बांटा जाएगा। अतः अब अगर शिवकुमार को ढाई साल बाद मु.मंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी (खड़गे की) विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी।**
- **पार्टी के विधायकों में भी चर्चा जोरों से चल रही है कि शिवकुमार शीघ्र ही मु.मंत्री पद की शपथ लेंगे, विधानसभा का वर्तमान सत्र समाप्त होते ही।**

इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस में नई अटकलें सामने आई हैं, क्योंकि नेतृत्व विवाद की चर्चा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। एक पार्टी विधायक ने खुले तौर पर दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कर्नाटक विधानसभा के बेलगावी सत्र के बाद मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इन टिप्पणियों ने सत्ताधारी पार्टी के भीतर पहले से ही संवेदनशील हो चुके इस मुद्दे को फिर से खड़ा कर दिया है।

रामनगर के कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने शुक्रवार को सुर्वण विधाना सौधा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह दावा किया था। उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी जगह आएगी पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और सरकार अगले सप्ताह यह बिल लाना चाहती है

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। मनरेगा हुआ खत्म और अब उसकी जगह "पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी" (पीबीजीआरजी) योजना लायी जा रही है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक नए कानून को मंजूरी दी है, जिसमें प्रत्येक घराने को 100 कार्यदिवसों की बजाय 125 कार्यदिवसों की गारंटी दी जाएगी। केन्द्रीय सरकार अगले सप्ताह लोकसभा में पीबीजीआरजी बिल पेश करना चाहती है। इस योजना में केन्द्र की हिस्सेदारी 95,600 करोड़ निर्धारित की गई है।

मनरेगा में इस बदलाव का एक स्पष्ट राजनीतिक पहलू भी है, क्योंकि अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

- **95,600 करोड़ की इस योजना में प्रत्येक परिवार को 100 की जगह 125 कार्य दिवस की रोजगार गारंटी दी जाएगी।**
- **इस बदलाव के राजनीतिक पहलू भी हैं, जिसमें प्रमुख है, पश्चिम बंगाल के होने वाले विधानसभा चुनाव। पश्चिम बंगाल सरकार हमेशा से केन्द्र सरकार पर मनरेगा का फंड नहीं देने का आरोप लगाती रही है, वहीं केन्द्र सरकार का आरोप है कि तृणमूल सरकार मनरेगा फंड में गड़बड़ी कर रही है।**

14-लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक पहलू है, मनरेगा पर कांग्रेस का दावा। कांग्रेस से यह क्रेडिट छीनने के लिए केन्द्र सरकार ने न केवल मनरेगा का नाम बदल दिया, बल्कि इसका दायरा भी बढ़ा दिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस शैल जैन इंडिगो केस की सुनवाई नहीं करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड, जो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करती है, ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें उसने विमान के इंजन और पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी के रुप में अदा किये गये 900 करोड़ रुपये से अधिक की वापसी की मांग की है। ये इंजन और पार्ट्स विदेश में मरम्मत के बाद फिर से भारत में आयात किए गए थे।

- **जस्टिस शैल जैन ने खंडपीठ से नाम वापस ले लिया, जो इंडिगो केस की सुनवाई कर रही थी, क्योंकि जस्टिस जैन का बेटा इंडिगो में पायलट है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोटी तन्ख्वाह के बावजूद भी पायलट कर्मचारी की श्रेणी में आते हैं'

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज़ की अपील खारिज कर करते हुए कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि एयरलाइन पायलट, जिसमें पायलट-इन- कमांड भी शामिल हैं, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत "कर्मचारी" की परिभाषा में आते हैं। कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि उनकी भूमिका तकनीकी और संचालनात्मक रुप से विमान उड़ाने से संबधित है, न कि प्रबंधकीय या पर्यवेक्षी कार्य से।

कोर्ट ने पाया कि पदनाम, उड़ानों के दौरान कमांड की जिम्मेदारियां, या उच्च वेतन पायलटों को श्रम कानून सुरक्षा से बाहर नहीं कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा अपने पूर्व पायलटों, जिनमें कप्तान प्रीतम सिंह, मंजीत सिंह और एनडी कथूरिया शामिल थे, के खिलाफ दायर की गई लैटर्स पेटेंट अपीलों का निपटारा करते हुए यह निर्णय दिया।

- **एयरलाइन ने अपनी अपील में दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पायलटों को रूका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त फ्लाइंग आवर्स के लिए विशेष भत्ता व अन्य भुगतान देने के आदेश दिए थे।**
- **किंग एयरवेज़ ने इस आदेश के विरूद्ध अपील में कहा कि पायलट को बहुत अच्छा वेतन मिलता है और वह फ्लाइट का इंचार्ज होता है और पर्यवेक्षण करता है।**
- **पर, अदालत ने अपील खारिज कर दी और कहा, पायलट का क्रू पर कोई नियंत्रण नहीं होता है और इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के तहत वह "कर्मचारी" की श्रेणी में आता है।**

एयरलाइन ने पहले के आदेशों को चुनौती दी थी, जिनमें पायलटों को रुका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त उड़ान घंटों के लिए इन्सैंटिव और संबंधित बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने शुरुआत में ही यह स्पष्ट निष्कर्ष दिया था कि "कर्तव्यों की प्रमुख प्रकृति" का परीक्षण ही निर्णायक होगा।

कोर्ट ने कहा कि हालांकि एक पायलट-इन-कमांड को सिद्धांत रूप में उड़ान का प्रभारी माना जा सकता है, लेकिन रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य से यह साबित हुआ कि पायलट क्रू के ऊपर औद्योगिक या प्रशासनिक दृष्टिकोण से पर्यवेक्षीय या प्रबंधकीय नियंत्रण नहीं रखते हैं। खंडपीठ ने यह माना कि उनका मुख्य कार्य विमान को चलाने का तकनीकी और कुशल कार्य है।

कोर्ट ने एयरलाइन के इस तर्क को खारिज कर दिया कि पायलट "कर्मचारी" की परिभाषा से बाहर हैं क्योंकि उनका वेतन बहुत अधिक है या उन्हें वरिष्ठ कमांडर के रूप में नामित किया गया है, कोर्ट ने कहा कि वेतन का स्तर केवल तभी प्रासंगिक होता है जब यह साबित किया जाए कि कर्मचारी वास्तव में पर्यवेक्षण का काम कर रहा है।

यदि यह प्रमाण नहीं मिलता कि पायलट वास्तव में पर्यवेक्षी कार्य कर रहे हैं, तो औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2(एस) (चार) के तहत उन्हें कर्मचारी के दायरे से बाहर किए जाने का प्रश्न नहीं उठता।

खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा विमानन नियमों और आंतरिक संचालन मैन्युअल्स पर निर्भरता की भी जांच की, जिसमें यह तर्क दिया गया था कि पायलट क्रू के सदस्य का पर्यवेक्षण करते हैं। कोर्ट ने कहा कि विमानन नियमों में कोई भी पर्यवेक्षण उड़ान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्राम पंचायतों के मुख्यालय क्यों बदले'

जयपुर, 13 दिसम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत के मुख्यालयों को बदलने से जुड़े अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार और टोंक, धौलपुर व करौली जिलों के कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश करौली जिले की ग्राम पंचायत सेंगरपुरा, टोंक जिले की ग्राम पंचायत चावड़िया के अर्जुन लाल और धौलपुर जिले की ग्राम पंचायत चित्तौरा के मुन्ना लाल शर्मा की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार तथा टोंक, धौलपुर, करौली कलेक्टरों से जवाब मांगा।**

याचिकाओं में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पार्टीशन के आठ दशक बाद, संस्कृत लौटी पाकिस्तान के स्कूलों में

लाहौर युनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों व स्कॉलर्स की जिज्ञासा व रूचि को देखते हुए, संस्कृत को पाठ्यक्रम में शामिल किया है

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। बंटवारे के लगभग आठ दशक बाद, जिसने उपमहाद्वीप भूगोल और स्मृतियों दोनों को बांट दिया था, एक अप्रत्याशित भाषा ने पाकिस्तान के एक क्लासरूम में वापसी की है। संस्कृत, जिसे लंबे समय तक भारत और पाकिस्तान के बीच सभ्यतागत सीमा माना जाता रहा है, को लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ में औपचारिक रूप से पढ़ाया जाना शुरू किया गया है। यह कदम इस बात का शांत, लेकिन महत्वपूर्ण संकेत है कि पाकिस्तान अब अपने गहरे बौद्धिक अतीत से नए सिरे से जुड़ने की शुरुआत कर रहा है।

चार क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम तीन महीने की एक वीकेंड कार्यशाला में अप्रत्याशित रूप से मिली जबरदस्त दिलचस्पी के बाद शुरू किया गया है। इससे साफ़ होता है कि 1947 के बाद से जिस ज्ञान को अकादमिक रूप से वर्जित माना जाता रहा, उसे जानने की इच्छा छात्रों और विद्वानों में अब भी मौजूद है। इसका पाठ्यक्रम केवल व्याकरण और भाषाशास्त्र तक सीमित नहीं है। एक प्रतीकात्मक सांस्कृतिक पहल के रूप में छात्रों को टीवी धारावाहिक "महाभारत" के प्रसिद्ध गीत "है कथा संग्राम की" के उर्दू रूप से भी परिचित कराया जा रहा है, जो यह याद दिलाता है कि साझा कहानियाँ अक्सर राजनीतिक टूट-फूट के बाद भी जीवित रहती हैं।

- **1947 से, भारत का तर्क था कि कश्मीर, सांस्कृतिक इतिहास व पहचान के कारण भारत का हिस्सा है तथा दूसरी ओर पाकिस्तान कश्मीर को मुस्लिम पहचान की दृष्टि से देखता रहा है।**
- **पर, अब संस्कृत के शैक्षणिक जगत में प्रवेश से पाकिस्तान की इस सख्त सोच में तब्दीली होती नज़र आ रही है।**
- **क्या यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान में अब कश्मीर को, केवल एक इस्लामिक पहचान के रूप में नहीं जाना जाएगा, बल्कि एक ऐसी सभ्यता के रूप में देखना शुरु होगा जिस पर कई सदियों से कई सभ्यताओं का असर रहा है।**

सीमित अर्थों में देखें तो यह एक अकादमिक विकास है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में देखें तो इसका अर्थ कहीं गहरा है। आधुनिक दुनिया की सर्वाधिक गहरी जड़ें जमा चुकी दुशमनियों में से एक में यह एक प्रतीकात्मक हस्तक्षेप है। और इस प्रतीकात्मकता की गूंज सबसे तीव्र कश्मीर में सुनाई देती है।

कश्मीर कभी सिर्फ़ एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रहा है। समय के साथ यह एक सभ्यतागत बहस में बदल गया है, एक ऐसी बहस, जिसमें इतिहास, पहचान और चुनिंदा स्मृतियों का इस्तेमाल सैनिकों और संधियों के साथ-साथ किया जाता है। भारत ने कश्मीर की संस्कृत, शैव और बौद्ध परंपराओं का हवाला देते हुए, अपनी दावेदारी को सभ्यतागत शब्दों में ज्यादा से ज्यादा ज़ाहिर किया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने कश्मीर को मुख्य रूप से मुस्लिम पहचान और बंटवारे के बाद आत्मनिर्णय के तर्क के माध्यम से पेश किया है। धीरे-धीरे इतिहास की इस संकीर्ण व्याख्या ने कश्मीर को एक "ज़ीरो सम" सांस्कृतिक क्षेत्र में बदल दिया है, एक ऐसी स्थिति, जिसमें अतीत के एक पक्ष को स्वीकार करना दूसरे पक्ष को छोड़ देने के बराबर समझा जाता है, यानी, वो स्थिति, जिसमें एक पक्ष का लाभ सीधे दूसरे पक्ष का नुकसान माना जाता है।

पाकिस्तानी शिक्षा जगत में संस्कृत की वापसी इस कठोर दृष्टिकोण को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपने गढ़ में कांग्रेस की हार पर भाजपा को बधाई दी थरुर ने

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के मिजाज बीते कुछ वक्त से बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। पार्टी आलाकमान की बैठकों से दूरी और भाजपा से नजदीकी इस बात की तस्दीक है कि थरूर के मन के अंदर कुछ तो चल रहा है। एक दिन पहले जहां उन्होंने कोलकाता के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस लोकसभा सांसदों की बैठक

- **केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में थरुर के क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है, जबकि कांग्रेस हार गई।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जालोर में विश्नोई व गर्ग ने विकास रथों को रवाना किया

जालोर जिला प्रभारी मंत्री के .के .विश्नोई ने सरकारी योजना के प्रचार प्रसार को लेकर वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में केन्द्र व राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए बदलता राजस्थान-बढ़ता राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई व राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर से विधानसभावार विकास रथ एलईडी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रशासन तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के तत्वावधान में 5 विकास रथ जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आगामी 26 दिसम्बर तक भ्रमण कर केन्द्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दो वर्ष के अल्पकालीन समय में राज्य के नागरिकों के लिए अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं श्रमिकों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में होने वाली पेपरलीक संबंधित घटनाओं पर नकेल कसी है तथा सरकारी नौकरी हेतु प्रयासरत मेहनतकश युवाओं के लिए परीक्षाओं का कैलेण्डर वार सफल आयोजन किया जा रहा है। राइजिंग राजस्थान, प्रवासी राजस्थान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य विकसित राजस्थान बनने के पथ पर अग्रसर है।

इस अवसर पर आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, महेन्द्र मेघवाल, जसराज राजपुरोहित, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र देवासी, दानाराम चौधरी, दीपसिंह धनानी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, रवि सोलंकी, दुर्गाराम चौधरी, गजेन्द्र सिंह सिसोदिया सहित विभागीय अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

जिला प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई एवं राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को नगर परिषद परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए रैली का आयोजन किया गया।

रैली को मुख्य अतिथियों ने नगर परिषद परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात् रैली अस्पताल चौराहा, मुख्य बाजार एवं हरिदेव जोशी सर्किल तक संचालित होकर आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर स्वयं जागरूक रहने व दूसरों को जागरूक करने को लेकर शपथ दिलाई गई।

रैली में आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, महेन्द्र मेघवाल, जसराज राजपुरोहित, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र देवासी, दानाराम चौधरी, दीपसिंह धनानी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, रवि सोलंकी, दुर्गाराम चौधरी, गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, जिला परिवहन अधिकारी जालोर ओमप्रकाश चौधरी सहित विभागीय अधिकारी-कार्मिक पुलिस कार्मिक, नर्सिंग स्टूडेंट एवं ऑटो रिक्शा ड्राईवर उपस्थित रहे।

एनएसयूआई का धरना समाप्त

जोधपुर,(कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में कथित अव्यवस्थाओं और छात्रों की अनदेखी के खिलाफ एनएसयूआई का अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को कुलगुरु से हुई वार्ता के बाद समाप्त कर दिया गया। एनएसयूआई के कार्यकर्ता 32 सूत्रीय मांगों को लेकर केंद्रीय कार्यालय के बाहर तीन दिन से धरना दे रहे थे।

दरअसल एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने गत बुधवार को केंद्रीय कार्यालय में प्रदर्शन किया था। कुलगुरु के नहीं आने से नाराज छात्रों ने रात में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया था। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता 32 सूत्री मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए था। यह धरना आज भी जारी रहा।

मांग पत्र में एमपीईटी करवाकर पीएचडी में प्रवेश देने, संकायों में नियमित कक्षाएं शुरू करना, छात्रावासों का निरीक्षण, खेल मैदान की सफाई, सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति, लड़कियों के हॉस्टल में वार्डन तैनाती आदि मांगें शामिल की गई। मांगों को लेकर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय पर छात्रों का तीन दिन से धरना चल रहा था।

इस दौरान कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने धरना स्थल पर छात्रों से वार्ता कर धरने को समाप्त करवाया।

जोधपुर डिस्कॉम ने जालोर वृत को प्रशंसा पत्र दिया

जालोर वृत को वित्तीय वर्ष 2025-26 में तकनीकी एवं वितरण हानियों को कम करने एवं बिलिंग लक्ष्य हासिल करने पर जोधपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक भंवरलाल ने प्रशंसा पत्र दिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर वृत की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह नवम्बर 2025 तक तकनीकी एवं वितरण हानियों को 3.96 प्रतिशत तक कम करने एवं नवम्बर में 172.69 प्रतिशत का बिलिंग लक्ष्य हासिल करने फलस्वरूप जोधपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक भंवरलाल द्वारा उत्कृष्ट कार्य कीमान्यता के प्रतीक के रूप में प्रशंसा पत्र प्रदान किये गये है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तकनीकी एवं वितरण (टी.एण्ड डी.) घाटे पर नियंत्रण और राजस्व प्राप्ति में वृद्धि विद्युत वितरण कम्पनियों के लिए प्रमुख चुनौतियां है। जोधपुर डिस्कॉम का प्रबन्धन तकनीकी एवं वितरण (टी.एण्ड डी.) घाटे को कम करने के लिए लगातार प्रयासरत है एवं समय समय पर तकनीकी एवं वितरण घाटे में कमी एवं राजस्व प्राप्ति के लिए लक्ष्य निर्धारित करता रहता है।

चिकित्सालय में सोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन

उप जिला चिकित्सालय सुमेरपुर में एक सोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। उप जिला चिकित्सालय सुमेरपुर में शनिवार को एक सोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि सोनोग्राफी मशीन लगने के बाद गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। सोनोग्राफी की जांच गर्भवती महिलाओं व आमजन के साथ साथ वृद्धजनों के लिए भी निशुल्क रहेगी। मंत्री कुमावत ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओ के लिए मां वाउचर योजना प्रारम्भ की गई है। यह मां वाउचर योजना हमारी भजनलाल शर्मा की भाजपा सरकार द्वारा अप्रैल 2024 में शुरू की गई है। यह प्रदेशके लिए बेहद महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त अल्ट्रासाउंड (सोनोग्राफी) करवाने के लिए वाउचर दिए जाते हैं ताकि वे गर्भावस्था के दौरान आवश्यक जांच करवा कर स्वस्थ शिशु को जन्म दे सकें।

सुमेरपुर के सरकारी हॉस्पिटल में यह सोनोग्राफी मशीन प्रारम्भ होने से आमजन को सुविधा मिलेगी और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सोच सभी के उत्तम स्वास्थ्य की परिकल्पना को साकार करने मे नींव का पत्थर साबित होगा उप जिला हॉस्पिटल में लगभग 20 लाख रुपये की लागत से यह मशीन स्थापित की गई है ।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता करण सिंह नेतरा , जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह परमार , दिनेश सिंह राजपुरोहित, दीपक भाटी, मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, इंद्र सिंह जाखोड़ा, शंकरसिह काकू, रुपाराम देवासी, लक्ष्मण सिंह, गोवर्धन सिंह, पन्नालाल, जगत सिंह सांडेराव , दिनेश मीणा, छगन सेन, परबत सिंह, सुरेश राजपुरोहित, उपखंड अधिकारी कालूराम कुम्हार, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी महिपाल सिंह, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गोविद चुण्डावत, सोनोठाफी प्रभारी अधिकारी डॉ अश्विनी मौर्या, डॉ कुलदीप सिंह, डॉ ताराचंद, डॉ प्रतीक ढाका, डॉक्टर गौतम कुमार, डॉ अमित शर्मा, डॉ शकील मोहम्मद, डॉ मनीष, भरत सोलंकी, ब्लॉक कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद गिरी, वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक दिनेश कुमार, नरपत सिंह, भवर लाल, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी मरुधर सिंह, प्रदीप सिंह, अशोक माली, महेन्द्र कुमार, चेतन जैन उपस्थित रहे।

'रजिस्ट्री से पहले देना होगा बिजली बिल का नो ड्यूज सर्टिफिकेट'

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जोधपुर डिस्कॉम) ने बिजली बिलों की वसूली और अदालती मुकदमों से बचने के लिए एक बड़ी पहल की है। अब अचल संपत्ति (मकान, दुकान, जमीन) को बेचते या खरीदते समय बिजली विभाग से शून्य देयता प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य किया जा सकता है।

इस संबंध में जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने जोधपुर, पाली, सिरोही, फलोदी, बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और चूरू सहित सभी संबंधित जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा है।

एमडी डॉ. भंवरलाल ने बताया कि गत 14 नवंबर को हुई समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंताओं ने एक गंभीर समस्या उठाई थी। अक्सर देखा गया है कि उपभोक्ता बिजली के भारी-भरकम बकाया बिल चुकाए बिना ही अपनी संपत्ति बेच देते हैं। जब विभाग नए खरीदार से बकाया राशि मांगता है, तो वे संपत्ति खरीद का हवाला देकर भुगतान करने से मना कर देते हैं।

पत्र में बताया गया है कि ऐसे मामलों में जब विभाग बिल वसूली के लिए दबाव बनाता है, तो खरीदार कोर्ट की शरण ले लेते हैं। अधिकांश मामलों में न्यायालय नए खरीदार को पुराने बकाया से राहत दे देता है।

इससे न केवल विभाग पर मुकदमों का बोझ बढ़ता है, बल्कि बकाया राशि वसूलना भी नामुमकिन हो जाता है। डिस्कॉम एमडी ने जिला कलेक्टरों से आठाह किया है कि वे अपने अधीन आने वाले पंजीयन कार्यालयों (रजिस्ट्री ऑफिस) को निर्देश दें। इसके तहत, किसी भी संपत्ति के बेचान का रजिस्ट्रेशन करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि विक्रेता ने उस संपत्ति पर बिजली विभाग का पूरा बकाया चुका दिया है और एनओसी संलग्न की है।

कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली महारैली के लिए रवाना

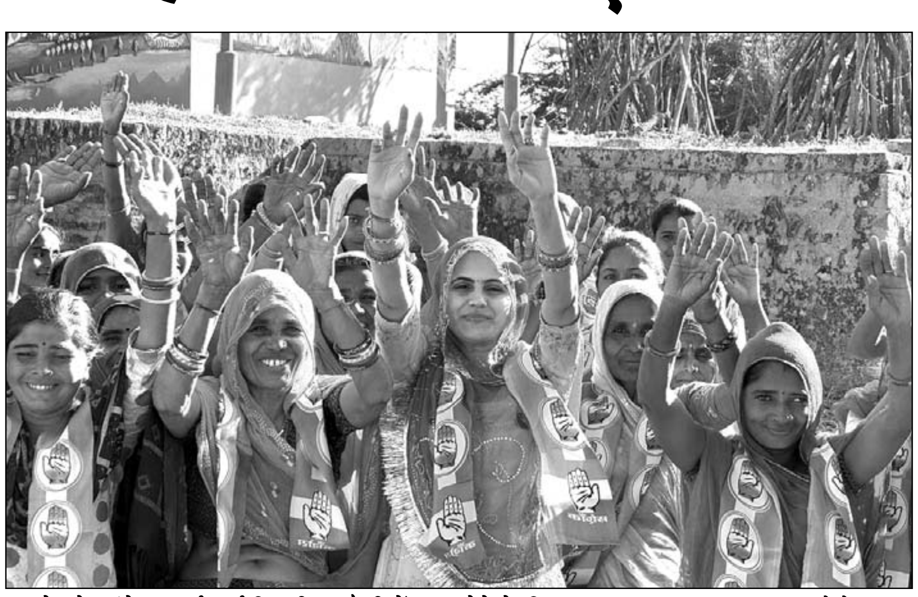

जालोर से कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली महारैली में भाग लेने के लिए रवाना हुए। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड महारैली में भाग लेने के लिए जालोर जिले से महिला कांग्रेस की सशक्त भागीदारी देखने को मिल रही है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष कंवर के नेतृत्व में जिले की महिला कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुई हैं। आहोर विधानसभा क्षेत्र से महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गाडियों को महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष कंवर ने शनिवार शाम 5 बजे हरी झंडी दिखाकर दिल्ली के लिए रवाना किया।

महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष कंवर के अनुसार जिले भर से सैकडों महिला कांग्रेसजन महारैली में भाग ले रही हैं, जिनमें आहोर विधानसभा क्षेत्र से लगभग 80 महिला कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हैं। ये सभी कार्यकर्ता संगठित रूप से गाडियों के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह महारैली लोकतंत्र की रक्षा एवं जनहित से जुडे मुद्दों को लेकर आयोजित की जा रही है। इसमें महिला कांग्रेस की सक्रिय भागीदारी संगङ्गन की एकजुटता, जागरूकता और मजबूती को दर्शाती है।

वही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा कल 14 दिसम्बर को दिल्ली मेंआयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड महारैली के लिए जालोर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजन की बस को शनिवार दोपहर 4.00 बजे जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कांग्रेस प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि जालोर विधानसभा क्षेत्र के जालोर एवम सायला ब्लॉक के प्रमुख कांग्रेसजन दिल्ली में आयोजित होने वाली महारेली में भाग लेने हेतु बस ,रेल एवम निजी वाहनों द्वारा रवाना हुए। जिले भर से महारेली में लगभग पांच सौ कांग्रेसजन दिल्ली हेतु रवाना हुए हैं। साथ ही जालोर विधानसभा क्षेत्र से 150 कांग्रेस जन बस,रेल एवम अपने निजी वाहनो द्वारा दिल्ली पहुचेंगे।

महारैली में भाग लेने के लिए जालोर ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, सायला ब्लॉक अध्यक्ष सवाई सिंह चंपावत, जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत, एस सी विभाग जिलाध्यक्ष खसाराम मेघवाल,मांगीलाल भील, देवाराम सांखला,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष किशनाराम चौधरी, यूका पूर्व विधानसभा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत दवे,जेताराम मेघवाल सहित सैकडो कांग्रेसजन दिल्ली रवाना हुए।

वही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड महारैली में आहोर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी के नेतृत्व में कई जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता निजी वाहन,बस व ट्रेन द्वारा भाग लेंगे।

पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, पूर्व प्रत्याशी सवाराम पटेल, पीसीसी महासचिव उमसिंह चांदराई, जिला उपाध्यक्ष आमसिंह परिहार, संगठन महासचिव विरेन्द्र जोशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बस्तीमल चौहान सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता भाग लेंगे।

प्रतिबंधित टेबलेट का चूर्ण बनाते आरोपी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस इन दिनों मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड़ में लगी है। नाकाबंदी और गश्त में संदिग्ध लोगों की धरपकड़ कर मादक पदार्थ बरामद किए जा रहे है। साथ ही मुखबिरी सूचना पर मकानों पर भी रेड दी जा रही है।

माता का थान पुलिस ने जोधपुर केंट के सामने एचपी गोदाम के पास में एक मकान पर रेड देकर अवैध डोडा पोस्त के साथ प्रतिबंधित टेबलेट का चूर्ण बरामद किया है। पुलिस ने दबिश दी तब आरोपी टेबलेट को पीसकर उनका चूर्ण बना रहा था। उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किए जाने के साथ अग्रिम पड़ताल जारी है। वह टेबलेट कब और कहां से लाया इसका पता लगाया जा रहा है।

थानाधिकारी शफीम मोहम्मद ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि जोधपुर केंट के सामने एचपी गोदाम के पास में रहने वाला थानाराम पुत्र भंवराराम विश्रोई मादक पदार्थ तस्करी का काम करता है। इस पर सूचना पर पुलिस टीम के साथ उसके मकान पर रेड दी गई। पुलिस ने वहां से 2 किलो 267 ठााम अवैध डोडा पोस्त के साथ 444 प्रतिबंधित टेबलेट को जब्त किया। हालांकि इसमें पांच छह पत्तों को खोलकर पीस कर चूर्ण बना रहा था। उसे गिरफ्तार लिया गया है। वह मूल रूप से कुड़ खोखरिया का रहने वाला है। जांच डांगियावास थानाधिकारी दौलाराम की तरफ से की जा रही है।

मारपीट कर सोने की चेन छीनी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट बोरानाडा स्थित बासनी सिलावटा गांव में एक युवक से मारपीट कर उसकी सोने की चेन छीन ली गई। नामजद युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। मारपीट का कारण पता नहीं चला है। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि बासनी सिलावटा निवासी श्यामलाल पुत्र भंवरलाल घांची ने रिपोर्ट दी।

सेना का ट्रक पलटने से 5 अग्निवीर घायल

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में सेना का ट्रक पलटने से 5 अग्निवीर घायल हो गए। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, सेना का ट्रक शहर से आर्मी कैंट की ओर जा रहा था, तभी रेवंतसिंह की ढाणी के पास अचानक एक गाय सामने आ गई। गाय को बचाने के प्रयास में ट्रक बेकाबू हो गया और सड़क पर पलट गया।

सभी घायलों को जवाहिर हॉस्पिटल लाया गया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल शुरू की। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पांच अग्निवीर जवान घायल हो गए। घायल अग्निवीरों के नाम रोबिन, उदय, अरुण, प्रमोद और मांझी बताए जा रहे हैं।

हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राह चलते स्थानीय लोगों ने बिना देर किए बचाव कार्य शुरू किया और घायल जवानों को ट्रक से बाहर निकाला। लोगों की मदद से सभी घायल जवानों को तुरंत जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हॉस्पिटल सूत्रों के अनुसार सभी घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। कोतवाली थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने ट्रक को हटाने और यातायात को सामान्य करने की कार्रवाई की।

प्रभारी मंत्री खर्रा ने स्काउट गाइड को गणवेश बांटे

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड जाँच शिविर, निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर एवं अनुसूचित जाति-जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 से 14 दिसंबर 2025 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में आयोजित किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर के तृतीय दिवस आज अनुसूचित जाति-जनजाति स्काउट गाइड को प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शिविर में सहभागिता कर रहे 130 स्काउट गाइड को गणवेश वितरीत की गई। सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि प्रभारी मंत्री ने स्काउट गाइड को आमजन को सड़क सुरक्षा जागरूकता के प्रचार प्रसार करने ओर ट्रेफिक नियमों का पालन करने का आहवान किया।

प्रभारी मंत्री ने राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त करने वाले रोवर विशाल का सम्मान किया एवं 19वी राष्ट्रीय स्काउट जंबूरी में राजस्थान प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जिले के चंद्राज पब्लिक स्कूल सोजत रोड के स्काउट बैंड द्वारा उत्कर्ष प्रदर्शन करने पर प्रधानाचार्य आलोक शर्मा का सम्मान किया गया।

जिला अध्यक्ष स्काउट गाइड पाली महेंद्र बोहरा, जिला कलेक्टर पाली लक्ष्मी नारायण मंत्री, पुलिस अधीक्षक पाली आदर्श संधू, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बजरंग सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा, आयुक्त नगर निगम पाली नवीन भारद्वाज, समाजसेवी तिलोक चौधरी, सी ओ गाइड डिंपल दवे, आरटीओ पाली ओ पी बैरवा, जिला परिवहन अधिकारी पाली विजय सिंह मीणा, ओर अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकम का संचालन प्रधानाचार्य हितेश रामावत ने किया। शिविर में पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, मोहन सिंह, दौलत सिंह, जयपाल सिंह, उर्मिला यति, रमेश सोलंकी, कैलाश कुमार , भगवान सिंह आदि द्वारा सेवाएं दी जा रही हैं।

शिविर स्थल को बनाया पॉलीथिन मुक्त

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में 236 स्काउट गाइड सहभागिता कर रहे हैं।

सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में आयोजित पांच दिवसीय अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में 130 स्काउट गाइड, निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर में 53 रोवर रेंजर एवं चार दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड जहां शिविर में 53 संभागी ने भाग लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सी ओ गाइड डिंपल दवे ने बताया कि राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यकम के तहत शिविर के चौथे दिन आज स्काउट गाइड ने जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में स्वच्छता अभियान के तहत संपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र की सफाई की कचरे का निस्तारण किया।

प्रशिक्षण केंद्र को पॉलिथीन फ्री बनाने के लिए अभियान के माध्यम से सेवा कार्य किया, स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने प्रशिक्षण केंद्र की ईको वाटिका में लगे हुए पेड़ पौधों की सार संभाल कर कचरे का निस्तारण करते हुए फूल पत्तियों को तोड़कर किचन गार्डन के लिए खाद बनाने की प्रक्रिया का संपादन भी किया।

जिला स्तरीय शिविर में आज रोवर रेंजर ने रोड सेफ्टी अभियान के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया कल विजेताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

शिविर में शिविर में पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, मोहन सिंह, दौलत सिंह, जयपाल सिंह, उर्मिला यति, रमेश सोलंकी, कैलाश कुमार , भगवान सिंह आदि द्वारा सेवाएं दी जा रही हैं।

18वीं बार अध्यक्ष बने रणजीत जोशी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन के चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के चुनाव में रणजीत जोशी रिकॉर्ड 18 वीं बार अध्यक्ष चुने गए। वहीं राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह उदावत निर्वाचित हुए। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के चुनाव की मतगणना आधी रात तक चलती रही।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन जोधपुर की कार्यकारिणी के वर्ष 2025-27 के अध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबले में रणजीत जोशी ने सुरेन्द्र सिंह राठौड़ को 158 मतों से पराजित किया। रणजीत जोशी को 1527 वोट, सुरेन्द्र सिंह राठौड़ को 1369 और धनराज वैष्णव को 324 वोट मिले हैं। उपाध्यक्ष पद पर बुधाराम चौधरी ने कड़े मुकाबले में मांगीलाल को 24 वोट से हराया। बुधाराम चौधरी को 767 वोट, मांगीलाल को 743 वोट, गजेन्द्रसिंह तंवर को 438, मनोज सिंह 316, पुखराज गोदारा को 275, कृपाराम सोलंकी को 251 वोट, शैतानराम चौधरी 237 वोट और लक्ष्मीनारायण को 160 वोट मिले हैं। उपाध्यक्ष पद पर कडी टक्कर की वजह से दुबारा मतगणना करवाई गई। वहीं महासचिव पद पर विजय चौधरी ने कल्याण सिंह विश्नोई को 215 वोटो से हराया। विजय चौधरी को 1131 वोट, कल्याण सिंह विश्नोई को 916 वोट, विक्रम सिंह राठौड़ को 656 वोट, अनिल सुराणा को 352 वोट और एम डी कल्ला 143 वोट मिले। सह सचिव पद पर तक्षेन्द्र शर्मा ने 172 वोटो से दीपाराम को हराया। सह सचिव पद पर तक्षेन्द्र शर्मा को 771 वोट, दीपाराम को 599 वोट, नीतू गुडिय़ा को 584 वोट, संदीप सिंह को 435 वोट, भारतेन्दु को 364 वोट, पुखराज को 202 वोट, शीतल शर्मा 173 वोट और लालसिंह को 50 वोट मिले हैं। पुस्तकालय सचिव पद पर शिवानी वैष्णव ने शारदा विश्नोई को 174 वोटों से हराया। शिवानी वैष्णव को 1107 वोट, शारदा विश्नोई को 933 वोट, कीर्ति सोनी को 803 वोट और अरायना खानम को 351 वोट मिले वही 39 वोट खारिज हुए है। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर विजय शर्मा ने हरीचरण प्रजापत 383 वोट से हराकर कोषाध्यक्ष चुने गए। विजय शर्मा को मिले 866 वोट, हरीचरण प्रजापत को 483 वोट, मोहनलाल गोदारा को 472 वोट, रामनिवास सांखला को 414 वोट, गोपालसिंह चारण को 342 वोट, सोनिका शर्मा को 306 वोट, मुरली सैन को 184 वोट और प्रदीप जैन को 122 वोट मिले। वहीं, 44 वोट खारिज हुए हैं। कुल मतदाता 3836 में से 3178 मतदाताओं ने मतदान किया।

जोधपुर के अधिवक्ता संघों के चुनाव के परिणाम गुरुवार आधी रात बाद जारी हुए। देर रात तक मुख्य पदों की गिनती के दौरान हाइकोर्ट के नए और पुराने परिसर में वकीलों का भारी जमावड़ा रहा। अध्यक्ष पद से पहले अन्य पद और कार्यसमिति सदस्यों के निर्वाचन के परिणाम जारी होते रहे। रात करीब दो बजे अध्यक्ष पद के परिणाम जारी हुए। परिणाम घोषित होने के साथ विजय रहे प्रत्याशियों के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए ढोल थाली के साथ स्वागत एवं आतिशबाजी कर खुशिया मनाई। अल सुबह चार बजे तक सभी पदों के परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव अधिकारी से सभी विजय पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भी दिया। जोशी समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए जमकर डीजे की धुनों पर डांस करते हुए विजय जुलूस निकाला।

चुनाव अधिकारी मोतीसिंह राजपुरोहित ने बताया कि लॉयर्स एसोसिएशन में दिलीप सिंह उदावत अध्यक्ष के रूप में जीत दर्ज की। दिलीप सिंह उदावत को 552, दिग्विजय सिंह जसोल को 477, मनीष व्यास को 441 और विनोद चौधरी को 327 मत मिले। उदावत 75 मत से जीते। अध्यक्ष सहित छह पदों के लिए 2141 अधिवक्ता मतदाताओं में से 1813 ने मतदान किया। उपाध्यक्ष पद पर शीतल कुम्मट को 1067 और रविन्द्रसिंह चंपावत को 667, महासचिव पद पर अरुण कुमार को 963, नवनीत सिंह विर्स को 463 व कैलाश जांगिड़ को 342, सह सचिव पद पर मिलाप चौपड़ा 921, केशव भाटी 737 और अशोक गोदारा 112, कोषाध्यक्ष पद पर रघुवीरसिंह भाटी 795, रविन्द्र पुरोहित 523 और दुर्गेश खत्री 416 और पुस्तकालय सचिव पद पर कोमल आर. वर्मा 703, शैलेन्द्र कुमार 635 व विकास के विश्नोई को 420 वोट मिले।

खेल जगत

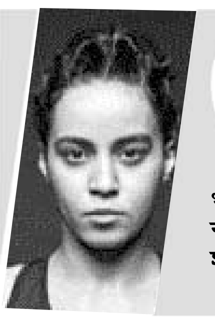

एमएमए के एशियाड में शामिल होने से खेल को सरकारी पहचान और समर्थन मिलेगा। इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। - पूजा तोमर

भारतीय मार्शल आर्टिस्ट, नागोया एशियन गेम्स में शामिल किये जाने पर।

आज का खिलाड़ी — साओ पाउलो

साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में 19 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का टाइटल जीता है, लेकिन अब इसे किंग कोहली ने तोड़ दिया है।

भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

दुबई, 13 दिसंबर। भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया। दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते। 2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस -एसयू-5 में, प्रेमचंद पोटनुरु एमएस - एसएच 6,. नित्या श्री सुमति सिवन, कार्तिक सुहाग एमएस -एसएल 3 में स्वर्ण पदक जीते। वहीं अभिजीत सखूजा और विजेंद्र एमडी एसएल 4 - एसएल 3में, विजेंद्र एमएस-एसएल 3 में और अभिजीत सखूजा एमएस - एसएल 4 में, तुलिका जाधव डब्ल्यू एस एसएल 3 में रजत पदक जीते। हर्षित चौधरी एमएस एसएल-4, शिवम यादव एमएस एसयू-5, शिवांगी पांडे डब्ल्यूएस एसएल-4, जतिन आजाद और समायरा कंवर एक्सडी एसयू 5- एसएल 3, मनीषा पटेल डब्ल्यूएस एसच 6, नित्या श्री सुमति सिवन और मनीषा पटेल डब्ल्यू डी - एसएच 6 में कांस्य पदक जीते।

केएससीए चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की मिली अनुमति

बेंगलुरु 13 दिसंबर। कर्नाटक सरकार ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की अनुमति दे दी है और इससे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी अवगत करा दिया गया है। यह अनुमति वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) का अध्यक्ष बनने के एक सप्ताह बाद आयी है। प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेलगावी में राज्य के विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात सार्थक रही।

इशरानी बरुआ, उन्नित हुड्डा और किरण जॉर्ज ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में

कटक, 13 दिसंबर। इशरानी बरुआ, महिला एकल की टॉप सीड उन्नित हुड्डा और पुरुष एकल के दूसरे सीड किरण जॉर्ज ने कटक के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कड़े मुकाबले वाले सेमीफाइनल में जीत हासिल कर बैडमिंटन टूर्नामेंट ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इशरानी बरुआ ने सेमीफाइनल में तान्या हेमंत को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नजर तीसरा टी-20 जीतकर बढ़त लेने पर

धर्मशाला, 13 दिसंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका रविवार को यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में तीसरे अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकबाले में पांच मैचों की सीरीज में बढ़त लेने उतरेंगे।

पहले मैच में भारत की शानदार जीत के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में जोरदार वापसी करते हुए बराबरी कर ली, जिससे इस खूबसूरत पहाड़ी मैदान पर एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। दोनों टीमों ने एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को जान लिया है, ऐसे में धर्मशाला मैच बाकी सीरीज का रुख तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत की बल्लेबाजी ने कुछ अच्छे संकेत दिखाए हैं, लेकिन शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी रही है। पहले दो मैचों में शुरुआती झटकों के बाद पारी को संभालने में तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या का मिडिल ऑर्डर में योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

ओपनर अभिषेक शर्मा भारत की योजनाओं के केंद्र में बने हुए हैं, टीम पावरप्ले के दौरान तेज शुरुआत देने की उनकी क्षमता पर भरोसा कर रही है। सीनियर बल्लेबाज शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने और लाइनअप को स्थिरता देने के लिए उत्सुक होंगे।

पिछले मैच में काफी रन देने के बाद भारत की गेंदबाजी इकाई पर सबकी नजर रहेगी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दूसरे टी-20 में शुरुआती विकेट लेने में नाकाम रहे और मेजबान टीम उनसे ऐसी पिच पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। स्पिनर अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट लिए हैं और वे बीच के ओवरों को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका पिछले मैच में दमदार बल्लेबाजी की बदौलत अपनी शानदार जीत से आत्मविश्वास हासिल किया। क्विंटन डी कॉक आक्रामक पारी खेलकर टीम की अगुवाई करने, जबकि कप्तान एडन मारक्रम अच्छी शुरुआत देने का प्रयास करेंगे। मेहमान टीम की बल्लेबाजी की गहराई, जिसे डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर और डोनोवन फरेरा ने मजबूत किया है। गेंदबाजी की बात की जाये तो पिछले मैच में ओटनील बार्टमैन चार विकेट लेने के बाद एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। मार्को यानसन की अतिरिक्त बाउंस और लुंगी एनगिडी के तेज आक्रमण को और मजबूत बनाया है, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में दबाव बना पा रहा है।

धर्मशाला मैदान की छोटी बाउंड्री बल्लेबाजों के सेट होने के बाद स्ट्रोक प्ले में मदद करती हैं। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 187 के करीब है और शाम को बाद में ओस पड़ने की उम्मीद है। दोनों टीमें सीरीज में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने के लिए बेताब हैं, इसलिए एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है, क्योंकि भारत घरेलू फायदे पर निर्भर है जबकि दक्षिण अफ्रीका अपनी नई गति को बनाए रखना चाहेगा।

संभावित भारतीय टीम: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा।

संभावित दक्षिण अफ्रीका टीम: रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडन मारक्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, मार्को यानसन, लुथो सिपामला, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन, ट्रिस्टन स्टब्स, केशव महाराज, एनरिक नॉर्टजे, टोनी डी जॉर्जी, कॉर्बिन बॉश, रीजा हेंड्रिक्स और क्वेना मफाका।

दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में

नयी दिल्ली 13 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को 16 दिसंबर को होने वाले नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में यह जानकारी दी। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलने वाले 30 साल के ऑलराउंडर हुड्डा पिछले आईपीएल सीजन की तरह ही अभी भी संदिग्ध सूची में बने हुए हैं। पार्ट-टाइम ऑफ-स्पिन गेंदबाज हुड्डा ने पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि, उन्होंने तब से बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में छह ओवर फेंके हैं। रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और चल रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर।

आखिरी मैच उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

हुड्डा ने भारत के लिए 10 एकदिवसीय और 21 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं, अबू धाबी नीलामी में एएल1 (ऑलराउंडर) कैटेगरी में 75 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ शामिल हैं। एएल1 कैटेगरी में सात खिलाड़ी हैं, जिनमें वेंकटेश अय्यर, वानिंदु हसरंगा और रचिन रवींद्र शामिल हैं।

संदिग्ध एक्शन वाले दूसरे खिलाड़ी जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक है। उसका बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। कर्नाटक के 29 साल के ऑफ-स्पिनर केएल श्रीजीत (नीलामी सूची में नंबर 354) पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध है, उन पर पिछले सीजन में ही प्रतिबंध लगा दिया गया था। मध्य प्रदेश के ऋषभ चौहान (नीलामी सूची में नंबर 345) भी प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।

अफगानिस्तान को बांग्लादेश अंडर-19 टीम ने तीन विकेट से हराया

दुबई 13 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बंगलादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया।284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तानी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार बंगलादेश को संकट में डाल दिया था। कलाम सिद्दीकी (29) बनाकर आउट हुये तथा एमडी अब्दुल्ला (दो), समीउन बसीर (एक) को रनआउट हुये। शेख परवेज जीबोन (13) के रूप में सातवां विकेट गिरा। रिजान होसैन 17 रन बनाकर नाबाद रहे। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया। अफगानिस्तान के लिए खातिर स्तानिकजई, रूहुल्लाह अरब को दो-दो विकेट मिले। सलाम खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मेसी का कोलकाता में जोरदार स्वागत, झलक न दिखने से गुस्साए दर्शक

कोलकाता, 13 दिसंबर। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को 14 साल बाद फुटबॉल के दीवानों के शहर कोलकाता में लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। शहर में हजारों प्रशंसक, अपने पसंदीदा वैश्विक सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए, मध्यरात्रि के बाद कड़ाके की ठंड में भी डटे रहे। हालांकि, बाद में साल्ट लेक स्टेडियम (युवा भारती क्रीड़ांगन) में यह उत्साह उस समय अराजकता और निराशा में बदल गया, जब उनके प्रशंसक मेसी की एक झलग ठीक से नहीं पा सके। मेसी का विमान नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कल देर रात उतरा। उनके आगमन पर वहां मौजूद लोगों में जोश भर गया। उनके समर्थक बार्सिलोना की नंबर 10 जर्सी पहने उनका नाम लेकर चिल्ला रहे थे और अर्जेंटीना के झंडे लहरा रहे थे। भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद, भीड़ हवाई अड्डे के परिधि और हयात रीजेंसी होटल के पास जमा हो गई। मेसी को इस होटल में ठहराया गया था। भारतीय फुटबॉल का मक्का" कहे जाने वाले कोलकाता शहर ने मेसी की दूसरी यात्रा को यादगार बनाने के लिए पूरे मन से तैयारी की थी। इनमें ईएम बाईपास पर लेक टाउन क्रॉसिंग पर फैन ज़ोन और एक विशाल 70 फुट की प्रतिमा शामिल थी। सूत्रों ने बताया कि साल्ट लेक स्टेडियम के पास होटल जाते समय, मेसी को शहर के प्रवेश द्वार वीआईपी रोड पर बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास फीफा विश्व कप पकड़े हुए उनकी एक सफेद प्रतिमा दिखाई गई। प्रशंसकों की भीड़ में नादिया जिले के कल्याणी से एक किशोर लड़का भी व्हीलचेयर पर यात्रा करके आया था। मेसी के कट्टर समर्थक उनको फुटबाल का "भगवान" मानते हैं। मोहन बागान क्लब के सदस्य सुरजेंदु गांगुली ने कहा, "मेसी का कोलकाता आना एक बड़ी बात है। यह वैसा ही है जैसे 1977 में पेले हमारे क्लब के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलने के लिए इस शहर में आए थे। तब भी शहर के लोगों में इसी तरह का जोशखरोश देखा गया था।" इंटर मियामी के लिए खेलने वाले 38 वर्षीय मेसी का शहर में संक्षिप्त कार्यक्रम था।

श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने नेपाल को 8 विकेट से हराया

दुबई, 13 दिसंबर। सेतमिका सेनेविरत्ने (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद दिमांता महाविताना (नाबाद 39) और कविजा गमागे (24) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में नेपाल को 211 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 14.5 ओवर में दो विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमांता महाविताना ने 49 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। कविजा गमागे ने 29 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 24) रन बनाये। विरन चामुदिता (10) और के वितानापतिराना (दा) रन बनाकर आउट हुये। नेपाल के दयानंद मंडल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

भजनलाल सरकार लगाएगी 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर

अधिकाधिक शिकायतों का निस्तारण करें, प्रकरण निरस्त करने पर देना पड़ेगा स्पष्टीकरण : देवाशीष पृष्टि

यूडीएच प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी समस्या समाधान शिविर के बारे में चर्चा की।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर लगाए जाएंगे। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन आठ दिवसीय शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए है। इनकी तैयारियों के लिए शनिवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के अधिकारियों से चर्चा की। पृष्टि ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही शहरी सेवा शिविर में किए गए कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। जहां लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित करें। अगर किसी प्रकरण को रिजेक्ट किया जाएगा तो उसके संबंध में सपष्टीकरण दिया जाना अनिवार्य होगा । पृष्टि ने सभी नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरण को अपने क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उस क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को दूर करने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी। पृष्टि ने बताया की प्रमुख एवं फॉलो अप शिविर में पट्टों से संबंधित प्रकरणों में 39 हजार 800 प्रकरणों का निस्तारण किया गया था इसी के साथ ही अन्य भूमि से संबंधित प्रकरणों में 20 हजार 888 प्रकरणों का निस्तारण भी किया गया। जिनमें नाम हस्तान्तरण के 10 हजार 30 प्रकरण, यू.डी. टैक्स के 3 हजार 987 प्रकरण, भवन मानचित्र के 3 हजार 554 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन/पुर्नगठन के 1 हजार 753 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 776 प्रकरण, नगरीय विकास/आवासन मण्डल द्वारा ब्याज छूट देकर की गई वसूली के 365 प्रकरण तथा भू-उपयोग परिवर्तन के 423 प्रकरणों स्वीकृत किया गया तथा घर-घर कचरा संग्रहण के 43 हजार 269 प्रकरणों का भी निस्तारण एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के 4 हजार 977 आवेदनो का अनुमोदन कर प्रथम किश्त जारी करने के प्रकरण शामिल है। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, अतिरिक्त निदेशक सीमा सहित सभी नगरीय निकायों और नगरीय विकास न्यास के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे ।

- **इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी**
- **राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से लगाया जायेगा शिविर**

'प्रदेश का विकास गहलोत को पच नहीं रहा'

जयपुर । गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गलत तथ्यों पर आधारित बयान जारी कर राजस्थान की जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा है कि दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास हुआ है। यह विकास पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पच नहीं रहा है।गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एनसीआरबी के आंकड़े नहीं देखे हैं। क्योंकि इनके राज में प्रदेश में जंगलराज था और हमारी सरकार के दो वर्षों में सभी प्रकार के अपराधों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित हुए हैं और राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रूपए के एमओयू किए हैं। 92000 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि हमारी सरकार में देश विदेश के प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित कर प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया। जिससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी।

'अल्बर्ट हॉल क्यों, डोटासरा के पास तथ्य हैं तो विधानसभा में करें बहस'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को जवाब दिया

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुक्रवार को दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो वे अल्बर्ट हॉल की बजाय विधानसभा में बहस करें। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।

- **मदन राठौड़ ने कहा कि, " डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।"**

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और अन्य नेता झूठ का पुलिंदा लिए घूमते हैं। जिन लोगों ने राज्य की जनता के अमूल्य 5 वर्ष आपसी फूट और लडाई में बर्बाद कर दिए, वे आज जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही सरकार के खिलाफ झूठी बातें परोस रहे हैं और विधानसभा में बहस करने से भाग रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में इन 2 वर्षों में राज्य की जनता के लिए भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे पानी के लिए महतवपूर्ण समझौते करना हो, ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना हो, युवाओं को रोजगार देना हो, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य कराना हो-सभी क्षेत्रों में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस राज में राजस्थान जिस बदहाली के दौर से गुजर रहा था, वो किसी से छुपा हुआ नहीं है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपरलीक, महिला अत्याचार, साम्प्रदायिक दंगे और साइबर अपराध जैसे मामलों में राजस्थान देश में नम्बर 1 राज्य बन गया था। आज भाजपा की सरकार में राजस्थान की जनता को कांग्रेस के काले कारनामों से छुटकारा मिला है। भाजपा सरकार ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर दोषी लोगों को कटघरे में खड़ा किया है। इन सभी विषयों पर प्रभावी कार्यक्रम-नीति बनाकर सभी वर्गों को राहत देने का काम इस सरकार ने किया और इन क्षेत्रों में 2 वर्ष के कालखंड में ही उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

जयपुर में हुक्का बार पर छापेमारी, 5 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । सीएसटी क्राइम ब्रांच टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब व ब्रूज क्लब बेलाकासा पर कार्रवाई कर 5 अभियुक्तों को हिरासत में लिया है, वहीं दो आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि विशेष टीम ने एयरपोर्ट थाना ,गांधी नगर पूर्व बुर्ज क्लब बेला कासा व ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब पर कार्रवाई कर पांच व्यक्तियों को कोटप्पा एक्ट में गिरफ्तार किया है । वहीं दो व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस -2023 के तहत हिरासत में लिया है। पुलिस ने रमाकांत (35) पुत्र गिरधारीलाल, मालवीय नगर निवासी , निखिल (33) पुत्र सुरेश ,महोदव नगर पांच्यावाला, देवराज स्वामी (24) पुत्र मोती दास, सवाई माधोपुर हाल बुर्ज क्लब बेला कासा होटल ,टोंक रोड निवासी , विजय पुत्र (34) निरंजन क्लब बुर्ज बेलाकास निवासी व अजय निठारवाल (27) पुत्र राम कुमार बुर्ज क्लब बेलाकासा होटल निवासी को हिरासत में लेकर इनके पास से 5 हुक्का , पाचं चिलम,पांच पाईप व 15 डिब्बे तम्बाकू फ्लेवर जब्त किए है।

लोकतंत्र की पाठशाला बनेगी विधानसभा

जयपुर (कासं)। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद और 21वीं सदी के आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने की दिशा में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एक अभिनव पहल कर रहा है। इसके तहत 15 दिसंबर को राजस्थान विधानसभा में राज्य स्तरीय 'राजस्थान युवा सभा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर से चयनित 158 विद्यार्थी विधानसभा में जनप्रतिनिधियों की भांति बैठकर मॉक सत्र में भाग लेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे।च

स्मैक तस्करी और हथियार रखने के 3 बदमाश दबोचे

- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, नकदी और देशी पिस्टल व कारतूस जब्त किए**
- **पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य बदमाशों तथा गिरोह के बारे में जानकारी जुटा रही**

जयपुर (कासं)। जयपुर शहर में अवैध नशे और हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व और मालवीय नगर,प्रताप नगर और रामनगरिया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी और अवैध हथियार रखने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीला पदार्थ, नकद राशि, स्कूटी और देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि शहर में अवैध नशे के कारोबारियों और हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' और ऑपरेशन 'आग' के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में जिला विशेष टीम एवं थाना मालवीय नगर, रामनगरिया और प्रतापनगर की संयुक्त टीमों का गठन किया गया था।

जहां पहली कार्रवाई में थाना मालवीय नगर क्षेत्र से स्मैक सप्लायर कमलेश सांसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम 27 मिलीग्राम अवैध स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की गई। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई थाना रामनगरिया क्षेत्र में की गई। जहां स्मैक बेचने के आरोप में मनोज शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 7 ग्राम 97 मिलीग्राम स्मैक और बिक्री से प्राप्त 4 हजार रुपये नकद बरामद किए।

सार-समाचार

हादसों में चार जनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के अलग अलग थाना क्षेत्रों में चार लोगों की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव परिजन को सुपुर्द किए। बनाड़ पुलिस ने बताया कि नांदड़ी स्थित लक्ष्मण नगर सी में रहने वाले 70 साल के सत्यनारायण सोनी पुत्र चुन्नीलाल सोनी घर की छत पर कमरें में रहते थे। वह 12 दिसम्बर को कमरें में आग से झुलस गए थे। बाद में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, मगर अब उनकी मौत हो गई। उनके पुत्र हेमंत की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। दूसरी तरफ राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मूलत: उत्तरप्रदेश के फतेहपुर हाल सालोड़ी में रहने वाले संगीत पुत्र मेडिलाल खटिक ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई 25 वर्षीय प्रदीप यहां सालोड़ी में एक भवन पर मार्बल घिसाई का काम कर रहा था। तब मार्बल मशीन से उसे करंट लग गया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, मगर उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस बारे में मर्ग की कार्रवाई की। इधर लूणी पुलिस के अनुसार करनीयाली निवासी नरपत पुत्र छोगाराम मेघवाल ने मर्ग दर्ज कराया कि उसका भाई 28 वर्षीय सुरेश सतलाना गांव में रेलवे ट्रेक पर ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। जबकि विवेक विहार पुलिस ने बताया कि कंडुबानाडा झंवर निवासी परसाराम पुत्र भैराराम मेघवाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी कि उसका भाई 35 वर्षीय प्रकाश भोमियाजी कॉलोनी के पास सांगरिया रेलवे ट्रेक पर ट्रेन की चपेट में आ गया और उसक ी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया।

पाली से कांग्रेसजन दिल्ली रवाना

पाली, (नि.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व नेता विपक्ष राहूल गांधी के निर्देशानुसार एवं राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आहवान पर 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली "वोट चोर गद्दी छोड़" और को लेकर कांग्रेसजनों में उत्साह है। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा के नेततृत्व में कहा कि महारैली में पाली से सैकड़ों कांग्रेसजन कूच कर रहे हैं। शाम को पाली जिले के पाली, रोहट, पाली देहात, सुमेरपुर, देसूरी, रानी, मारवाड़ जंक्शन, बाली, सोजत सहित हर ब्लॉक से कार्यकर्ता बसों और निजी वाहनों द्वारा सैकड़ो की तादाद में कांग्रेसजन दिल्ली रवाना हुए। बस को विधायक भीमराज भाटी , पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा, पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हकीम भाई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब भाई टी, महावीर कटारिया, ताराचन्द चन्दनानी, अजीज लीडर, एडवोकेट असलम चितारा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जावेद सिरोहा, रफीक चौहान, असगर कुरैशी, पुष्प सोनी, हारून मलिक, शहाबुद्दीन बागवान, ईकबाल भाई शेख, मांगूसिंह दुदावत, अनिल भाटी, चन्द्रपाल सिंह पुनायता,लाल मोहम्मद सिंधी, सलीम रंगरेज , मांगीलाल सोलंकी सहित कई जने मौजूद थे।

नाड़ी परीक्षण कोर्स का ब्रोशर जारी

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने सेमी-ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण सर्टिफिकेट कोर्स के ब्रोशर का विधिवत विमोचन किया। यह सर्टिफिकेट कोर्स विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद के अंतर्गत संचालित स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कोर्स का संचालन 15 जनवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। इस कोर्स हेतु ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण 15 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर चंदन सिंह, आयुर्वेद संकाय अधिष्ठाता प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अठावाल, डीन रिसर्च प्रोफेसर देवेंद्र चाहर, लाइब्रेरी निदेशक डॉ राकेश शर्मा, डॉ मनीषा गोयल,उप-कुलसचिव डॉ. मनोज अदलखा, कोर्स कोऑर्डिनेटर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पूजा पारिक, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. मनीष यादव सहित विश्वविद्यालय के अनेक वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कोर्स नोडल अधिकारी प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

सिरोही को जानो प्रतियोगिता हुई

रेवदर, (निसं)। समीपवर्ती गाँव देरोल स्थित स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालय में शनिवारीय नो बैग डे के अन्तर्गत सिरोही को जानो पर हाउस एक्टिविटी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक हाउस के द्वारा सिरोही जिले की प्रमुख विशेषताओं के तहत कला संस्कृति, इतिहास, भौगोलिक परिदृश्य, प्रमुख मंदिर, स्थापत्य कला, प्रमुख पर्यटन स्थल, स्थानीय वेशभूषा, नृत्य, स्थानीय बोली, सिरोही का प्रशासनिक स्वरूप राजनैतिक परिदृश्य, स्थानीय स्वशासन, सिरोही का प्रजा मण्डल आन्दोलन, सिरोही का एकीकरण इत्यादि विशेषताओं पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही प्रत्येक हाउस ने स्थानीय वेशभूषा के साथ विद्यालय में उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लिया एंव सिरोही को जानो गतिविधि पर अन्तरसदन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे प्रथम स्थान विवेकानन्द हाउस, द्वितीय स्थान नरेन्द्र हाउस, तृतीय स्थान वेदान्त हाउस ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रत्येक हाउस के हाउस मास्टर व सहायक हाउस मास्टर ने अपने उद्बोधन के माध्यम से सिरोही जिले की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। इस कार्यक्रम में सभी हाउस के विद्यार्थियों सहित स्टाफ उपस्थित रहे।

परशुराम महादेव यात्रा का पोस्टर जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधाणा धर्मार्थ सेवा संस्थान की तरफ से हर साल शीत ऋतु में निकाली जाने वाली चार दिवसीय परशुराम महादेव पैदल यात्रा के पोस्टर का आज विमोचन किया गया। शीतकालीन यात्रा की रवानगी 24 दिसम्बर को होगी। इस यात्रा को लेकर युवाओं में भारी उत्साह छाया हुआ है। प्रवक्ता जयसिंह कच्छवाहा ने बताया कि 24दिसंबर, रविवार दोपहर 3:00 बजे बनावतां का बेरा, शिव मंदिर से पूजा अर्चना के बाद अध्यक्ष शंकरलाल कच्छावाहा सचिव प्रमोद कुमार सांखला तथा मेला अधिकारी शिव सिंह कच्छावाहा द्वारा हरि झंडी दिखाकर दिखाकर यात्रा को रवाना किया जाएगा। इसका पहला पड़ाव रोहिट में रहेगा। सोमवार को दूसरा गुंदोज, तीसरा मंगलवार को रानी तथा चौथा तथा अंतिम पड़ाव बुधवार को परशुराम महादेव पर रहेगा। इसमें युवा ठुप के सदस्य भाग बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

बालोतरा में आज स्वच्छता कार्यक्रम

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन बालोतरा द्वारा 14 दिसंबर, रविवार को एक विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढाना है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी ने बताया कि बालोतरा जिला मुख्यालय पर स्वच्छता कार्यक्रम नया बस स्टैंड परिसर' में प्रात: 10 बजे आयोजित किया जायेंगा। इस कार्यक्रम में विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन की उपस्थिति रहेंगी। अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और बालोतरा को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें।

पी.एम. जोशी चौथी बार अध्यक्ष बने

पाली, (नि.सं.)। पाली बार एसोसिएशन के चुनाव में वरिष्ठ एडवोकेट पी ऍम जोशी चौथी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी की धीरेंद्र सिंह राजपुरोहित को हराया। उपाध्यक्ष जबर सिंह हाथलाई, सचिव मुकुल सोनी, सहसचिव आशीष अरोड़ा, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह भे साणा, युवा प्रतिनिधि सद्दाम काजी चुने गए। इसी प्रकार सदस्य भवानी सिंह, जनक शर्मा, सुरेश राज पुरोहित आदि चुने गए। चुनाव अधिकारी गजेंद्र सिंह मेड़तिया ने बताया कि आज सुबह 9 से 2 बजे तक चुनाव हुए। इसके बाद मतों की गिनती हुई।

निगम ने चलाया बुलडोजर

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल रोड पर शुक्रवार सुबह नगर निगम ने पुलिस जाब्ते की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। बड़ी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यहां लोगों ने झुग्गी- झोपडिय़ां बना रखी थी। एक झोपड़ी वाले कार्रवाई से परेशान होकर आग लगा दी। हालांकि अतिक्रमण हटाने के समय को विरोध इत्यादि दस्ते का नहीं झेलना पड़ा। नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता जेसीबी और बुलडोजर लेकर पाल रोड पर पहुंचा।

नाकोड़ा तीर्थ पर पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव शुरू

बालोतरा, (निसं)। परमात्मा पार्श्वनाथ के 2933वें जन्म-कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री नाकोड़ा तीर्थ में तीन दिवसीय भव्य मेले का 13 दिसंबर 2025 को पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ शुभारंभ हुआ। मेले के पहले दिन ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। परम्परानुसार पुरूषादानी भगवान श्री पार्श्वनाथ के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रही।

तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला इस वर्ष 13, 14 और 15 दिसंबर तक चलेगा। आज सुबह से ही तीर्थ परिसर में गुरु भगवंतों और साध्वीजी भगवंतों की पावन निश्रा में आस्था का सैलाब दिखाई दिया। दिनभर श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहा और वे श्रद्धापूर्वक कतारों में खडे होकर प्रभु के दर्शन और पूजा-अर्चना करते रहे।

सांयकाल होते ही श्री नाकोडा तीर्थ का पूरा परिसर अद्भुत रूप से जगमगा उठा। रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट ने तीर्थ के वातावरण को और भी अधिक मनमोहक बना दिया। इस भव्य सजावट और प्रकाश व्यवस्था को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कई भक्तों ने इस अनुपम दृश्य को अपने कैमरों में कैद किया।

जन्म कल्याणक महोत्सव पर आज रात्रि को भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक लवेश बुरड, हिमांशु बुरड एवं जागृति वडेरा ने अपने मधुर भक्ति गीतों से प्रभु की महिमा का गुणगान किया। इन कलाकारों की स्वर लहरियों पर झूमकर श्रद्धालुओं ने प्रभु भक्ति का आनंद लिया।

सम्पूर्ण मेले के लाभार्थी संघवी पानीदेवी मोहनलाल मुथा परिवार, मांडवला हाल चैन्नई हैं। लाभार्थी परिवार के सदस्यों का स्वागत आज सुबह तीर्थ ट्रस्ट मण्डल के सदस्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री नाकोड़ा तीर्थ ट्रस्ट मण्डल के पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस मौके पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष रमेश कुमार मुथा, उपाध्यक्ष लुणकरण बोथरा, कोषाध्यक्ष जितेन्दकुमार चौपडा, ट्रस्टीगण भरतकुमार मेहता, गौतमचन्द बालड, गौतमचन्द सिंघवी, कैलाश मेहता, कमलेश बालड, मांगीलाल संखलेचा, जगदीश छाजेड, वगतावरमल पारेख, गणपतलाल बुरड, पुरूषोतमदास सेङ्गिया, प्रकाशचन्द वडेरा, महेन्दकुमार बागरेचा, हुलास बाफणा, सुरेश शाह, एवं कांतिलाल शाह तीर्थ अध्यक्ष ने बताया कि अगले दो दिनों तक भी विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

परमात्मा पार्श्वनाथ के 2933 वें जन्म-कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री नाकोड़ तीर्थ में तीन दिवसीय भव्य मेले को शुभारंभ हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जवाई नदी पुनर्भरण की मांग, किसानों ने प्रतिनिधि मंडल ने नारे लगाने लगाए

जालोर, (कासं)। भारतीय किसान संघ जालोर जवाई नदी पुनर्भरण को लेकर तथा जवाई बांध का पानी अन्यंत्र जाने से रोकने को लेकर प्रभारी मंत्री के .के .विश्नोई के जालोर आगमन की सूचना पर कलेक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रतिनिधि मंडल को वार्ता के लिए कलैक्ट्रेट सभागार में बुलाया। लेकिन कलेक्ट्रेट सभागार में मौजूद पत्रकारो को देखकर धबराये प्रभारी मंत्री ने वार्ता उनके समक्ष नही कर किसानो को बंद कमरे में वार्ता करने की बात कही। जिसके बाद किसान प्रतिनिधि मंडल ने वार्ता सबके सामने करने की जिद करने पर प्रभारी मंत्री ने किसानो का ज्ञापन लेकर सात दिन का आश्वासन देकर चलते बने।

जालोर में सरकार के दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रभारी मंत्री के .के . विश्नोई ने लोककल्याणकारी योजना के वाहन को रवाना करने के साथ यातायात नियमो का पालने करने की शपथ दिलाई। लेकिन वे स्वयं शपथ से पहले व बाद अपनी गाडी में बिना सीट बेल्ट के कलैक्ट्रैट पहुंचकर यातायात नियमो की धज्जिया उडते नजर आये। वही इसके बाद उन्होने कलेक्ट्रेट में प्रेस वार्ता की। वही इस दरम्यिान भारतीय किसान संघ के किसान जवाई पुनर्भरण व जवाई बांध का पानी जोधपुर ले जाने से रोकने की मांग को लेकर प्रभारी मंत्री से मिलने का समय मांगा। वही किसानो ने कलेक्ट्रेट गेट के समक्ष ही जमकर नारेबाजी की। प्रेस वार्ता के बाद किसानो के प्रतिनिधि मंडल को कलेक्ट्रेट सभागार में वार्ता के लिए बुलाया। ऐसे में सभी किसान कलेक्ट्रेट सभागार पहुंच गये। वही किसानो को पत्रकारो के सामने देखकर मंत्री धबरा गये तथा किसानो को बंद कमरे में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। लेकिन पत्रकारो ने भी किसानो से वार्ता मीडिया के समक्ष ही करने की बात कर डाली । ऐसे में प्रभारी मंत्री के पास कोई विकल्प नही होने तथा किसानो की मांगो का जवाब नही होने पर अलग से वार्ता का इंतजार कर पुन कलैक्ट्रेट सभागार में आकर किसानो से ज्ञापन लिया तथा सात दिन में उनकी मांगो को पूर्ण करने का आश्वासन देकर चले गये।

राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग का कल्याण के लिए कृत संकल्पित : के. के. विश्नोई

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर प्रभारी मंत्री के. के.विश्नोई ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता की।

प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई ने बताया कि राज्य सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए .त संकल्पित है और सरकार की प्रत्येक घोषणा, निर्णय एवं योजनाएँ हर वर्ग की उन्नति पर आधारित है। राज्य सरकार के दो वर्ष सुशासन, विकास और विश्वास के दो वर्ष हैं। राजस्थान 11 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम स्थान पर है। 5 योजनाओं में द्वितीय स्थान पर है, वहीं 9 योजनाओं में तृतीय स्थान पर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के लिए जन स्वास्थ्य केवल एक नीति नहीं बल्कि एक संकल्प है। उन्होंने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए 132 नए पैकेज जोड़े गये हैं और अब तक 35 लाख से अधिक लाभार्थियों को 6 हजार 860 करोड़ रूपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मां वाउचर योजना के तहत 2 लाख 26 हजार सोनोग्राफी की गई है। सरकार ने राजस्थान को हरा भरा बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान और मिशन हरियालो राजस्थान के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गत 2 वर्ष में 20 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा 2 साल में ही 1 हजार 640 गांवों को सड़कों से जोडा जा चुका है। सरकार ने पिछले 2 साल में प्रदेश के बिजली उत्पादन क्षमता में 6 हजार 363 मेगावॉट क्षमता की वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ के एमओयू सम्पन्न हुए हैं जिनमें से 9 लाख करोड रूपये के कार्य धरातल पर आ चुके हैं। ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 8557 किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण किया गया वही गरीब कल्याण के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों व बीपीएल परिवारों के लाभार्थियों को 450 रूपये में रसोई गैस मिल रहा है। युवाओं को 90 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियाँ दी गई तथा 1 लाख 53 हजार पदों पर भर्तियाँ प्रक्रियाधीन है।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में 9 लाख पशुपालकों के 20 लाख पशुओं का बीमा किया गया तथा 1962 मोबाईल वेटेनरी की नि:शुल्क उपचार सेवाएँ घर बैठे पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

प्रेसवार्ता के दौरान राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, महेन्द्र मेघवाल, जसराज राजपुरोहित, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र देवासी, दानाराम चौधरी, दीपसिंह धनानी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

विकास रथ रवाना, सड़क सुरक्षा अभियान शुरू

जोधपुर, (कासं)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को कलक्ट्रेट परिसर, जोधपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम 'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' (विकास रथों की रवानगी) एवं सडक़ सुरक्षा जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य तथा विधि परामर्शी एवं न्याय विभाग मंत्री जोगाराम पटेल ने उपस्थितजनों को सडक़ सुरक्षा की शपथ दिलवाई । पटेल ने मीडिया से संवाद कर आमजन से यातायात नियमों का पालन करने का आहवान किया।

कार्यक्र म के दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, लोकसभा सांसद (पाली) पी.पी. चौधरी, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली, बिलाड़ा विधायक अर्जुन लाल गर्ग, राजेंद्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह भाटी एवं ज्योति ज्याणी द्वारा दिव्यांगजन विद्यार्थियों को हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने मीडिया से संवाद के दौरान सडक़ सुरक्षा को जीवन रक्षा का सशक्त माध्यम बताते हुए जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में पहुंचे सभी जनप्रतिनिधिगणों द्वारा जिले की आठों विधानसभाओं के विकास रथों (एलईडी मोबाइल वैन) का विधिवत पूजन कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में ढोल-थाली की मंगल धुनों के बीच, आकर्षक रंगोलियों के रंगों से सजे परिसर से विकास रथों को रवाना किया गया। ये विकास रथ सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे।

इसी क्रम में परिवहन विभाग की ऑटो/वाहन रैली को भी मार्गदर्शन स्वरूप ध्वज दिखाकर प्रारंभ किया गया। यह रैली अपने निर्धारित मार्ग के अनुसार कलक्ट्रेट परिसर से नई सडक़, पुरी तिराहा, रेलवे स्टेशन, ओलंपिक चौराहा एवं जालोरी गेट से होते हुए सहकार भवन पर जाकर संपन्न हुई। कार्यक्रम की कड़ी में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा परिवहन विभाग के जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा, एडीएम (प्रथम) जवाहर चौधरी सहित कई जने उपस्थित रहे।

शोभा यात्रा के साथ कथा शुरू

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्थानीय गांधी कॉलोनी स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुक्रवार को शोभा यात्रा से शुरू किया गया। सात दिवसीय कथा जोधपुर निवासी संत तारादेवी के मुखारविंद से हो रही है।

प्रथम दिवस की कथा में संत तारादेवी ने भागवत महात्तम की व्याख्या की।उन्होंने जीवन में सत्य पर चलने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि अन्य ठान्थ, कथाएं जीवन जीने की कला बताती है, परन्तु श्री मद भागवत कथा जीवन कैसे सफल हो एवं परमपद कैसे प्राप्त हो, यह बताती है। कथा प्रारंभ होने से पूर्व हिंगलाज मंदिर से अनेकों महिलाएं तुलसी पौधे के साथ शोभा यात्रा में शामिल हुई। संत ने पर्यावरण के प्रति भक्तों को जागरूक करने का सूत्र दिया। मीडिया प्रभारी प्रमोद जगानी ने बताया कि कथा में मधुसुदन शर्मा, शांतिलाल शर्मा,हिमांशु गिरी, दीपक शर्मा, झूमरलाल सोनी,श्रीगोपाल व्यास, आदि ने संत तारा देवी का स्वागत किया।

सोना चांदी व नगदी पार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व में बनाड़ और मंडोर हलके में दो घरों में चोरों ने सैंध लगाकर लाखों के आभूषण और नगदी पार कर ली।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि पावटा स्थित हाथियों की बावड़ी हाल हाल शिक्षक कॉलोनी खोखरिया निवासी पूनम देवी पत्नी पन्नालाल मेघवाल ने रिपोर्ट दी कि उसके घर से 10-11 दिसम्बर की रात में चोरों ने सैंध लगाकर वहां सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। वक्त घटना घर सूना था। बाद में पड़ौसी ने सूचना दी तब पता लगा। चोरी गए सामान का ब्यौरा फिलहाल पुलिस को नहीं दिया गया है।

वहीं मंडोर पुलिस के अनुसार पुनीत नगर हाल नरसिंग विहार लालसागर निवासी कैलाश कच्छावा के घर में भी चोरों ने सैंध लगाकर दो लाख की नगदी, पांच तोला सोने के आभूषण औ कुछ चांदी के सिक्के चोरी कर लिए।

खर्रा ने विकास रथ रवाना किए

पाली,(नि.सं.)। बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान कार्यक्रम के तहत द्वितीय नवाचार दिवस पर पाली पहुंचे प्रभारी मंत्री ने बांगड़ कॉलेज में नवाचार प्रायोजित आइस्टर्ट कार्यक्रम आयोजित किया तथा बजरंग बाड़ी में जिला स्तरीय अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।

प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने नवाचार दिवस पर बांगड़ कॉलेज पहुंचकर आई स्टार्टअप करने वाले विद्यार्थियों से उनके अनुभव साझा किए और नवाचारों पर राजस्थान सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बांगड़ कॉलेज में चलाए जा रहे आई स्टार्ट रूम का अवलोकन कर स्वच्छता की शपथ दिलाई बांगड़ कॉलेज से रवाना होकर बजरंग बाड़ी जिला स्तरीय अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान सरकार द्वारा नि:शुल्क गणवेश वितरण समारोह में भाग लेकर स्काउट एवं गाइड बालचरों को गणवेश वितरण की तथा गणवेश वितरण पश्चात उन्होंने सड़क सुरक्षा हेतु स्लोगन लिखने वाले बालचरों व रंगोली बनाने वाले बालिकाओं को जिला परिवहन विभाग द्वारा पुरस्कार वितरण किया उन्होंने जंबूरी में पाली स्काउट गाइड द्वारा राष्ट्रीय जंबूरी (लखनऊ, यू.पी.) किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई प्रदान की।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा जनहित में किए गए कार्यों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम पश्चात उन्होंने विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर एल. एन. मंत्री, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बजरंग सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, जिला रोजगार अधिकारी मनीष थोरी, बांगड़ कॉलेज प्राचार्य महेंद्र सिंह, सीओ स्काउट-गाइड गोविन्द मीणा, डिंपल दवे, जन प्रतिनिधि महेंद्र बोहरा, तिलोक चौधरी, नारायण कुमावत, रामकिशोर साबु, देविलाल मेघवाल, राहुल मेवाड़ा, पंकज चौधरी, सुरेश पंवार सहित सभी विभाग के अधिकारी, स्काउट गाइड सहित कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम पश्चात जयपुर रवाना हुए।

वहीं पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विकास रथों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी घर-घर तक पहुचेंगी।

जैसलमेर से विकास रथ रवाना

जैसलमेर में जिला प्रभारी मंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर से विधानसभावार दो एलईडी विकास रथ रवाना किए। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जैसलमेर जिले में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए शनिवार को जिला प्रभारी मंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर से विधानसभावार दो एलईडी विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ये विकास रथ आगामी 26 दिसम्बर तक जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक जाकर केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अल्प अवधि में नागरिकों के हित में ऐतिहासिक व अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इस अवसर पर जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, जिला कलैक्टर प्रतापसिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, अतिरिक्त जिला कलक्टर परसराम सैनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, जिला परिवहन अधिकारी टीकूराम सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं विभागीय अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

अवैध पार्किंग व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध ज्ञापन

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के नेहरू नगर क्षेत्र के निवासियों ने गुरुवार को विभिन्न समस्याओं को लेकर एडीएम, नगर निगम, पुलिस कोतवाली तथा ट्रैफिक कंट्रोल ऑफिस में अलग-अलग ज्ञापन सौंपे।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि मोहल्ले में मोबाइल टावर स्थापना, अवैध वाहन पार्किंग और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण लंबे समय से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

मोहल्लेवासियों ने एडीएम व नगर निगम अधिकारियों को अवगत कराया कि प्रस्तावित मोबाइल टावर लगने से सडक संकरी हो जाएगी, आवागमन बाधित होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदीप पंच, राजेन्द्र धोका, विजयराज बोहरा, प्रवीण गोलेच्छा, हेमन्त सोनी, सुमन प्रकाश जैन, राजीव धोका, दिनेश सुराणा, गजेन्द्र कोचर, भरत कांकरिया, लोकेश कांकरिया, अनिल संचेती, मुकेश सोनी, मुरली सोनी, अभिषेक धोका और हर्ष भंसाली शामिल रहे।

विधायक डॉ. अरुण चौधरी की मौजूदगी में कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, (निसं)। परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज श्री वद्धमान आदर्श विद्या मंदिर अंग्रेजी माध्यम उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय सडक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम सडक सुरक्षा के प्रति आमजन और विशेषकर युवाओं में जागरूकता बढाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। डॉ. चौधरी ने सडक सुरक्षा नियमों के महत्व और उनके जीवन में नियमित पालना के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सडक सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का मंत्र है। वाहन चलाते समय हमेशा ध्यान रखें कि कोई हैं जो हमारा घर पर इंतजार कर रहा है। अपने एवं अपनों के प्रति सुरक्षा की इसी भावना का सम्मान करते हुए हमें अपने जीवन में सडक सुरक्षा नियमों को अपनाना होगा। सडक सुरक्षा नियम जीवन सुरक्षा का संकल्प है, इसे अपनी आदत बनाये।

उन्होने कहा कि सड़क सुरक्षा हेतु जागरूक होना हमारी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने बताया कि राज्य सरकार सड़क हादसों में कमी लाने को लेकर गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत करवाने को निरंतर कार्य मों का आयोजन किया जा रहा है। हमारा भी दायित्व बनता है कि हम सभी सुरक्षा के नियमों का पालन करें। सड़क हादसों से हाने वाली शून्यता को कभी भरा नही जा सकता।

पुलिस उप अधीक्षक अनिल कुमार ने भी विद्यार्थियों को सडक सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होने कहा कि यदि आप सडक सुरक्षा नियमों की पालना करेंगें, तो आपके आसपास रहने वाले भी इसके प्रति जागरूक होगे।

जिला परिवहन अधिकारी भगवान गहलोत ने बताया कि सडक सुरक्षा अभियान के तहत जिले भर में जागरूकता कार्य म आयोजित किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों और युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना प्राथमिकता है, ताकि वे सुरक्षित नागरिक बन सकें और सडक दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

कार्यक्रम के पश्चात सडक सुरक्षा वाहन रैली को पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी, अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान, पुलिस उप अधीक्षक अनिल कुमार ने हरी झंडी दिखा रवाना किया।

रैली में परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर भारत जांगिड, पुष्पेंद्र शर्मा व ए पी चंदन सिंह सहित यातायात पुलिस से पप्पाराम अपने स्टाफ सहित शामिल हुए। रैली शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरती हुई जोधपुर रोड स्थित पृथ्वीराज धर्मकांटा पर समाप्त हुई। सडक सुरक्षा प्रचार रथ जिले के विभिन्न कस्बों गाँवो आदि में सडक सुरक्षा जागरूकता अभियान का प्रचार प्रसार करेगा।

इस दौरान पूर्व सभापति पारस भंडारी, पूर्व प्रधान कल्याणपुर हरि सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के मुखिया पृथ्वीराज गोड्डी, प्राचार्य पूनमचंद सुथार समेत जनप्रतिनिधि, समाजसेवी सहित लोगों ने भागीदारी निभाई।

''पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, हमने सत्ता में आते ही कड़ी रोक लगाई : दिया कुमारी

दिया कुमारी ने पेश किया सरकार का 2 साल का रिपोर्ट कार्ड

अजमेर। राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं। यहाँ जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा। इस दौरान उन्होंने

- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न जगहों के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार हर साल अपना रिपोर्ट कार्ड पेश कर रही है, जो पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने रोजगार के आंकडे गिनाते हुए बताया कि पिछले दो सालों

राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं।

में प्रदेश में 90 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि डेढ लाख भर्तियां अभी प्रक्रियाधीन हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा।

कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में क्राइम रेट में 19 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिससे प्रदेश सुरक्षित हुआ है। वहीं, पर्यटन क्षेत्र को बढावा मिलने से अब पर्यटकों की आवक बढ़ी है और प्रदेश में फ़िल्मों की शूटिंग का सिलसिला भी तेज हुआ है।

दिया कुमारी ने पेपर लीक मामले पर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ''पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, लेकिन हमने सत्ता में आते ही इस पर कड़ी रोक लगाई है। हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।'' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांठोस केवल वादे करती थी, जबकि हम काम करके दिखाते हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी विधायक अनिता भदेल ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मंच पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सुसज्जित विकास रथों को रवाना किया गया, जो गांव-गांव जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे।

'तेस्सितोरी ने राजस्थानी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई'

जोधपुर। आजादी से पूर्व राजपूताना में प्राचीन डिंगल-पिंगल, चारण-चारणेत्तर, जैन-जैनेत्तर, लोक-संत साहित्य एवं ऐतिहासिक-पुरातात्विक स्त्रोत की खोज कर डॉ.तेस्सीतोरी ने राजस्थानी भाषा साहित्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। यह विचार प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने जेएनवीयू के राजस्थानी शोध परिषद एवं राजस्थानी विभाग द्वारा नया परिसर स्थित राजस्थानी सभागार में आयोजित डॉ. एल पी. तेस्सितोरी के 138 वें जन्म जयंती समारोह पर आयोजित राजस्थानी व्याख्यान में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने तेस्सितोरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को विस्तार से उजागर करते हुए कहा कि उनकी आलोचनात्मक दीठ अद्भुत थी। राजस्थानी शोध परिषद के सचिव विष्णुशंकर ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कला शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर (डॉ) औतारलाल मीणा थे। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान है इसलिए अपने दैनिक जीवन में इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने डॉ. एल.पी.तेस्सितोरी को धुन का धनी बताते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थानी भाषा-साहित्य के की खोज कर जो कीर्तिमान स्थापित किया है वो वाकई में उल्लेखनीय है।

गंगनहर में खखां हेड पर पानी की आवक घटकर हुई 1718 क्यूसेक

श्रीगंगानगर। पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी के उतार-चढ़ ाव का क्रम जारी है। राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर गंगनहर में पानी की आवक घटकर 1718 क्यूसेक रह गई।

इस माह बीकानेर कैनाल में प्रदेश के पानी का हिस्सा 1800 क्यूसेक है तथा तय हिस्से का पानी नहीं मिलने के कारण किसानों में आक्रोश है। पंजाब में बीकानेर कैनाल में आरडी 45 से शुक्रवार शाम को 2040 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा था तथा राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर सिर्फ 1718 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी।

पानी की आवक कम होने के कारण वरीयताक्रम के अनुसार गंगनहर से जुड़ी पीएस नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू नहीं हो पाया। पीएस वितरिका क्षेत्र के किसानों को पिछली बार भी रेगुलेशन के अनुसार तय समय पर पानी नहीं मिलने के कारण किसानों की सिंचाई बारियां पिटी थी।

इस बार पीएस वितरिका सुबह 6 बजे खुलनी थी लेकिन नहीं खुली, इस कारण इस वितरिका क्षेत्र के किसानों की सिंचाई बारियां पिट गईं। नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू होना था, लेकिन गंगनहर में पंजाब से पानी की आवक कम होने के कारण शुरू नहीं हो पाया। इस कारण इन वितरिका क्षेत्र के किसानों को भी

- **पीएस नेतेवाला और हिरणावाली वितरिकाओं में शुरू नहीं हो पाई पानी की आपूर्ति**

सिंचाई सुविधा नहीं मिल पाई। हरविंद्र सिंह गिल, प्रोजेक्ट चेयरमैन गंगनहर पंजाब के अधिकारी ने बताया कि पर्याप्त पानी होने के बावजूद बीकानेर कैनाल को तय हिस्से का भी पानी नहीं दे रहे हैं। इस दिनों हमारे यहां सरसों, जौ, चना व गेहूं की फसलों में सिंचाई पानी की मांग बनी हुई है। लेकिन पंजाब सिंचाई विभाग के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं तथा बीकानेर कैनाल में प्रदेश के तय हिस्से का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में प्रशासनिक व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया है तथा समस्या के समाधान करने की मांग की है। श्रीगंगानगर करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर वितरिकाओं का सिस्टम बिगड़ा: वरीयताक्रम के अनुसार करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर आदि वितरिकाओं में शुक्रवार को पानी का प्रवाह शुरू होना है, लेकिन पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी की आवक कम होने के कारण गंगनहर का रेगुलेशन सिस्टम बिगड़ा हुआ है।

अजमेर में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई बड़ी लूट का खुलासा

अजमेर, 13 दिसंबर। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई 23 लाख 39 हजार रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात का अजमेर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में अंतर्राज्यीय लूट गिरोह के सरगना सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी को गुजरात के मोरबी औद्योगिक क्षेत्र से दबोचा गया, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अजमेर जिले के विभिन्न इलाकों से की गई है।

थानाधिकारी अरविंद चारण ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई।

फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके फरारी मार्ग का विश्लेषण किया गया। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से पता चला कि गैंग का सरगना तिहारी निवासी सुरेंद्र चौधरी अपने साथियों के साथ गुजरात के मोरबी सिटी के

- **अंतरराज्यीय गैंग का सरगना गुजरात से दबोचा गया, नशे और ऐश के लिए रची थी साजिश**

इंडस्ट्रियल एरिया में छिपा हुआ है।

पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर गुजरात रवाना किया, जिसने लगातार निगरानी और सघन तलाश के बाद सरगना सहित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अन्य आरोपियों को गांव तिहारी, थाना श्रीनगर तथा अजमेर शहर से दबोचा गया। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि महंगे शौक और नशे की लत पूरी करने के लिए उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से इस लूट को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी कमल पुत्र तीर्थदास, निवासी कुट्टी की टाल के पीछे, चौरसियावास रोड अजमेर, स्कूटी से प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे वाले गेट के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मारकर नकदी से भरी थैली छीन ली और दो वाहनों में सवार होकर फरार हो गए थे।

इस संबंध में पुलिस थाना क्रिश्चियनगंज में प्रकरण संख्या 357/2025 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है तथा लूटी गई राशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

थली गांव में बदमाशों ने की फायरिंग

गंगापुर सिटी। गंगापुर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में तीन थानों एवं आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस चौकियां होने के बाद भी दहशतगर्दो में पुलिस का भय नहीं है जिससे आमजन को डर के साय में जीना पड रहा है।

शनिवार को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच गंगापुर सिटी से एक बार फिर बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थली गांव में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक युवक को गोली मार दी गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार थली गांव निवासी कमलेश गुर्जर को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली युवक के सीने में लगकर आर-पार हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रैफर कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी और जांच तेज कर दी गई है। इस मामले में सदर थाना गंगापुर सिटी के एएसआई बच्चू सिंह ने बताया कि थली गांव में गोली चलने की सूचना मिली थी। घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस गोली कांड के कारणों, आपसी रंजिश अथवा अन्य एंगल से जांच कर रही है। घटना के बाद थली गांव सहित आसपास के इलाकों में भय का माहौल बना हुआ है। दिन दहाडे हुई फायरिंग से ग्रामीणो में पुलिस के प्रति आक्रोश चल रहा है।

'कुछ लोगों ने राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता दी'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी मानसिकता हमेशा राष्ट्रीय हितों से ऊपर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देती रही है।

शनिवार को जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि ऐसे लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए वंदे मातरम् जैसे पवित्र गीत के भी टुकड़े किए और आज भी वही मानसिकता बनी हुई है। शेखावत ने कहा कि आज भी कुछ लोग राष्ट्र की एकता और स्वतंत्रता के मंत्र को अपने राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में नया गवर्नेंस ऑर्डर लागू हुआ, जिसके चलते देश के गरीबों के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया और लगभग 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। लोगों इससे काफी राहत मिली। कई लोगों ने इसकी प्रशंसा भी की।

शेखावत ने कहा कि देश में सद्भावनाओं का नया युग शुरू हुआ है। सरकार द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सडक़, हाईवे, एविएशन और वॉटरवे जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। इससे देश में यात्रा की स्वतंत्रता और सुविधाओं को नई ऊंचाइयां मिलीं।

सतीश पूनियां के स्वागत में सुबह से किसानों और कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड़ा

श्रीगंगानगर/ जयपुर,। राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा

- **सौभाग्यशाली हूं कि मुझे राजस्थान के कार्यकर्ताओं का अपार प्यार और आशीर्वाद 40 वर्षों से मिलता है : डॉ. सतीश पूनियां**

राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां आज श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे, जहां वह जयपुर से ट्रेन द्वारा 10 घन्टे का सफर कर सुबह 4 बजे श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां कड़ाके की ठंड में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पिछले 40 वर्षों से पूरे राजस्थान में सतीश पूनियां और पार्टी कार्यकर्ताओं का

राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे।

एक दूसरे के प्रति लगाव और समर्पण है कि हर समय, हर क्षण उनका और कार्यकर्ताओं का अपनत्व रहता है और इसी अपनापन, सरलता, सहजता एवं सौम्यता के कारण पूरे राजस्थान में कार्यकर्ता सतीश पूनियां को भाईसाहब बोलते हैं और सतीश पूनिया भी कार्यकर्ताओं के साथ इतने घुले-मिले हैं कि पूरे राजस्थान में और सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को उनके नाम से पहचानते हैं।

सतीश पूनियां ने सुबह श्रीगंगानगर सर्किट हाउस में जिलेभर के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की और वहां की स्थानीय समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को उचित समाधान के लिए दिशा निर्देश दिये। इसके अलावा सतीश पूनिया ने पदमपुर, अमरपुरा जाटान, सूरतगढ़, रघुनाथपुरा, जैतसर में भी किसानों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

सतीश पूनिया ने रायसिंहनगर नगरपालिका और श्रीविजयनगर नगर पालिका में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया और रघुनाथपुरा में भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। वहीं श्रीविजयनगर में घोड़ी पर बिठाकर सतीश पूनिया का हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत- अभिनंदन किया। श्रीगंगानगर के पूर्व जिला प्रमुख एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सीताराम मौर्य की धर्मपत्नी प्यारी देवी के निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर सतीश पूनियां ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सतीश पूनियां ने रायसिंहनगर में बाबा दीपसिंह जी गुरुद्वारा में मत्था टेककर देशवासियों की खुशहाली की कामना की। श्रीगंगानगर जिले में कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत होकर सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सोच रहा था कि राजनीति में क्या मिले और क्या नहीं मिला, जन्म तो ईश्वर की कृपा से मिलता है।

चालक की मौत

उदयपुर। सलूम्बर जिले के परसाद थाना क्षेत्र हाइवे पर दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे में एक चालक की मौत हो गई तथा एक चालक सहित तीन जने घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र में पाराई पुलिया के समीप शुक्रवार सांय दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परसाद थाना पुलिस के जाप्ते ने मौके पर पहुंच कर दोनों वाहनों के चालकों चन्दवाजी जयपुर निवासी रामस्वरूप तथा मुकेश तथा साथी मुकेश तथा मुकेश एवं संजय को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया।

गड़बड़ी मिली तो हट सकती है एथेनॉल फैक्ट्री

हनुमानगढ। टिब्बी (राठ्ठीखेड़ा) में आंदोलन बीती रात स्थगित हो गया। प्रशासन और किसान प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी। फैक्ट्री में गड़बड़ी मिलने पर हटाने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही किसानों की मांगों को लेकर रिव्यू होगा। इससे पहले ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री का विरोध दोपहर तक जारी था। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके थे।

गौरतलब है कि 10 दिसंबर (बुधवार) को किसानों ने जिले के

- **किसानों की मांगों को लेकर होगा रिव्यू**
- **किसान आंदोलन में बनी सहमति**

राठ्ठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी थी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी थी। इस बीच पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके हैं। फैक्ट्री के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

फैक्ट्री की दीवार तोड़ने से पहले किसानों ने महापंचायत भी की थी। नेताओं का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें लिखित में फैक्ट्री का काम रोकने का आश्वासन नहीं दिया था। चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राठ्ठीखेड़ा में 40 मेगावाट का अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगा रही है। कंपनी का दावा है प्लांट केंद्र के एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को सपोर्ट करेगा। सितंबर 2024 से जून 2025 तक लगभग 10 माह शांतिपूर्ण विरोध चला। जुलाई 2025 में विरोध तेज हुआ। कंपनी ने चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण शुरू किया, जिससे किसानों का गुस्सा भड़का।

फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू होने से नाराजगी: 19 नवंबर 2025 पुलिस सुरक्षा में फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू हुआ। किसान नेता महंगा सिंह समेत 12 से अधिक किसान नेता गिरफ्तार। 20-21 नवंबर 67 लोगों ने गिरफ्तारी दी। 10 दिसंबर की दोपहर किसानों ने टिब्बी एसडीएम ऑफिस के सामने बड़ी सभा की। शाम करीब 4 बजे सैकड़ों किसान ट्रैक्टर लेकर राठ्ठीखेड़ा गांव स्थित फैक्ट्री साइट पर पहुंच गए। दीवार तोड़ दी गई और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- प्रशासन ने लिखित में नहीं दिया है, लेकिन यह भरोसा दिलाया है कि अस्थाई तौर पर फैक्ट्री का काम नहीं चलेगा। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- मांगों पर सहमति जरूर बनी है, लेकिन प्रशासन ने कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया है। अगर 17 दिसंबर को हनुमानगढ़ में महापंचायत हुई तो किसान उसका समर्थन करेंगे। हालांकि, अब यह महापंचायत किसानों के लिए होगी, फैक्ट्री के लिए नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों की बैठ्ठक गुरुद्वारा में जारी रहेगी।

जिला कलेक्ट्रेट में भाजपा नेता और किसान प्रतिनिधिमंडल की प्रशासन से हुई वार्ता के बाद सहमति बन गई है। इस मौके पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा और एडीजे वीके सिंह ने कहा कि सभी आशंकाओं को लेकर बिंदुवार विषयों का रिव्यू किया जाएगा। रिव्यू होने तक फैक्ट्री में निर्माण कार्य बंद रहेगा। उन्होंने अनियमितता पाए जाने पर फैक्ट्री हटाने का आश्वासन भी दिया। हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री विवाद को लेकर जिला कलेक्ट्रेट में प्रशासन और संघर्ष समिति के सदस्यों के बीच बैठ्ठक चल रही है। बैठ्ठक में सादुलशहर विधायक गुरवीर बराड़, एडीजीपी वीके सिंह, आईजी हेमंत शर्मा, कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव और एसपी हरिशंकर शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री प्रतिनिधिमंडल में शामिल विजेंद्र पूनिया, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई भी मौजूद हैं। संघर्ष समिति की ओर से शबनम गोदारा, जगजीत जग्गी सहित अन्य सदस्य वार्ता में भाग ले रहे हैं।

किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- एडीजी लगातार बयान दे रहे हैं कि किसानों ने उपद्रव फैलाने का प्रयास किया और कानून व्यवस्था संभालना हमारा जिम्मा है। मैं एडीजी साहब से पूछना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था संभालना आपका जिम्मा है, लेकिन गोली मारना आपका अधिकार है क्या हमारे पास ऐसे कई बुलेट हैं, जो हमें मिले हैं। हमारे पास रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें एक एसआई कह रहा है कि इन्हें गोली मार दो। मैं एडीजी साहब से कहना चाहता हूं कि वे फैक्ट्री के डायरेक्टर नहीं बनें।

किसान नेता रमेश भादू ने कहा- यह आंदोलन गुरुद्वारे से चलता है और हमारा ऑफिस गुरुद्वारा है। आंदोलन को चलाने वाले लोग अलग हैं और बात करने वाले अलग हैं।

कार्यालय नगर निगम अलवर (राज0)

क्रमांक-न.नि.अल./एसबीएम/2025-26/13521 दिनांक- 10.12.2025

E-Procurement Notice Inviting Bid/2025-26

A Bid for "The Work of Catching Stray Animals like Bull, Cow, Calf, Heifer, Donkey, Buffalo, Herd, etc. Roaming in the City" is invited for interested bidders up to 2:00 PM on 22-12-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals (https://sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 20.00 Lac.

UBN No. - DLB2526SLOB26798

Raj.Samwad/C/25/15790 Commissioner

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति ''विशिष्ठ श्रेणी'' बारां (राज.)

क्रमांक :- 3858 - 70 दिनांक :- 10/12/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति ''विशिष्ठ श्रेणी'' बारां द्वारा किसान कलेवा योजना के अन्तर्गत अनुदानित दर पर भोजन थाली व्यवस्था हेतु रजिस्टर्ड, प्रतिष्ठित फर्मो/अधिकृत डीलरो/विक्रेताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से शर्तरहित ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट बोली दिनांक 22.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर भी देखी जा सकता है। निविदा की अनुमानित कुल लागत 75.00 लाख रु. है।

NIB CODE - DAM2526A0619, UBN No. - DAM2526WSOB01071

राज.संवाद/सी/25/15766 सचिव

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आवंटन

कुल भूखण्ड 391	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी 13	वाणिज्यिक भूखण्ड 119	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग 68	वे ब्रिज 07	गोदाम 03
दुकानें/ शोरूम 139	होटल/ रेस्टोरेन्ट 13	पेट्रोल पम्प/ फ्यूल फिलिंग स्टेशन 07	स्कूल 07	संस्थानिक 10	कियोस्क 05

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 15 दिसम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 29 दिसम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 30 दिसम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 02 जनवरी, 2026 (सायं 05:00 बजे)

13 आबू रोड़	07 चूरू	05 नागौर	07 उदयपुर
15 अजमेर	10 बीकानेर	19 पाली	21 जयपुर (उत्तर)
23 अलवर	09 झुंझुनू	18 झालावाड़	02 जयपुर (दक्षिण)
13 भिवाड़ी-I	20 भरतपुर	28 किशनगढ़	08 जयपुर (ग्रामीण)
13 भिवाड़ी-II	20 किशनगढ़	19 राजसमंद	12 ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
15 घिलोठ	30 भीलवाड़ा	10 कोटा	09 जोधपुर
04 दौसा	22 नीमराना	08 सीकर	07 श्रीगंगानगर
01 बालोतरा		10 बोरानाडा	13 सवाईमाधोपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तो, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

राज.संवाद/सी/25/15721

मुख्यमंत्री ने जनपथ पर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

उन्होंने अमर जवान ज्योति पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वालों को सम्मानित किया

जयपुर, 13 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जनपथ -स्थित अमर जवान ज्योति पर आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। सम्मानित होने वालों में संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी शामिल रहे। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 500 ऑटो रिक्शों को भी फ्लैग ऑफ किया। ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किया तथा व्यवसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किये।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा का संदेश देने वाले गुब्बारे हवा में छोड़े। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न विभागों के बड़े अफसर, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित थे।

'बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई स्वागत योग्य'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम ने बीमा क्षेत्र में सौ फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह अनुमति भाजपा के नेतृत्व वाली उसी सरकार ने दी है जो पहले एफडीआई का विरोध करती आ रही है।

- **कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने मोदी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया व कहा, भाजपा पहले इसका विरोध करती थी।**

चिदम्बरम ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा "मैं बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। मुझे गुजराल सरकार का वह दिन याद है जब भाजपा ने संसद में उस विधेयक का विरोध किया था जिसमें बीमा क्षेत्र में 20 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई थी। यह एक लंबी दूरी है जिसे हमने 1997-98 से तय किया है।"

स्टेट जीएसटी ने 200 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी

विभाग ने प्रदेश भर में 170 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ सर्वे कर यह उपलब्धि हासिल की

जयपुर, 13 दिसंबर। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तथा स्वच्छ कर प्रशासन की मंशा के अनुरूप, राज्य के वाणिज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। विभाग ने प्रदेशभर में एक साथ 110 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे कार्यवाही करते हुए लगभग 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है।

यह कार्यवाही विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देश पर की गई। अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए वाणिज्य कर विभाग के 300 से अधिक अधिकारियों को शामिल करते हुए अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ यह कार्यवाही की।

- **विभाग को लम्बे समय से प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर व रियल एस्टेट आदि सैक्टर्स में कर चोरी की सूचनायें प्राप्त हो रही थीं।**

विभाग को लंबे समय से सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर, रियल एस्टेट सहित, कई सेक्टर्स में कुछ व्यापारी कर चोरी में संलिप्त हैं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर यह व्यापक अभियान चलाया गया।

प्रदेश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न सेक्टर्स में एक साथ कार्यवाही की गई है, जिससे कर चोरी में लिप्त व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कार्यवाही के दौरान, कई स्थानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिलिंग एवं अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सर्वे कार्यवाही के दौरान ही कई व्यापारियों ने कर चोरी स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि विभाग में जमा करवाई है। विभाग द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर अब विस्तृत जांच की जाएगी, जिससे आगे और भी बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य कर विभाग द्वारा वर्तमान में कर चोरी के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में इस प्रकार की कार्यवाहियों में और अधिक तेजी लाई जाएगी।

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि शिवकुमार वर्तमान सत्र के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह ले लेंगे।

'मोटी तन्ख्वाह के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा से संबंधित होता है और इसे श्रम कानून के तहत प्रबंधकीय पर्यवेक्षण से नहीं जोड़ा जा सकता। कोर्ट ने यह भी जोर दिया कि एक नियामक ढांचे में प्रयुक्त कानूनी शब्दों को दूसरे नियामक ढांचे में स्वचालित रूप से लागू नहीं किया जा सकता, जिनका उद्देश्य और संदर्भ अलग होता है।

बकाया वेतन के मामले में, कोर्ट ने औद्योगिक ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पायलटों की बर्खास्तगी अवैध थी और बिना उचित प्रक्रिया के की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों को लागू करते हुए, खंडपीठ ने यह दोहराया कि गलत बर्खास्तगी के मामलों में सेवा की निरंतरता और बकाया वेतन के साथ पुनर्नियुक्ति सामान्य नियम है, विशेष रूप से जब नियोक्ता यह साबित करने में असमर्थ हो कि कर्मचारी अन्यत्र लाभकारी रूप से कार्यरत था।

संसद पर आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। संसद पर वर्ष 2001 में आज ही के दिन किये गये आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को यहां देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, "मैं देश के साथ मिलकर उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी संसद की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे राष्ट्र के संकल्प की एक स्थायी याद दिलाता है।"

मोदी ने शहीद सुरक्षा कर्मियों के शौर्य को स्मरण करते हुए कहा, "आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए जघन्य हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को याद करता है।

कांग्रेस की "वोट चोर गद्दी छोड़" महारैली आज

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित महारैली के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने वोट चोरी के खिलाफ चलाए गये अपने अभियान के तहत रविवार 14 अप्रैल को यहां रामलीला मैदान में होने वाली "वोट चोर-गद्दी छोड़" महा रैली की तैयारी पूरी कर ली है।

- **दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने एक वीडियो जारी कर रैली के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी व लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की।**

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर बताया कि रैली की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

यादव ने रैली स्थल रामलीला मैदान से जारी संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में इस रैली में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा "मेरी अपील है कि इस रैली में शामिल होकर वोट चोरी के खिलाफ आवाज को बुलंद कीजिए और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करिए।"

इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "जब वोट चोरी पकड़ी गई तो चोर बौखला गया और अब वो मुद्दों को भटकाने का काम कर रहा है। वोट चोरी से जुड़े हमारे सवाल स्पष्ट हैं, जिन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार पूछ रहे हैं, लेकिन जवाब नहीं मिल रहा है।

अब 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल रैली हो रही है। मेरी अपील है कि आप सब भी रैली में आइए, क्योंकि हमें वोट चोरों को भागने नहीं देना है।"

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मामला न्यायमूर्ति प्रतिभा एम.सिंह और शैल जैन की खंडपीठ समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन न्यायमूर्ति शैल जैन ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, क्योंकि उनका बेटा इंडिगो में पायलट है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, इस प्रकरण को "किसी ऐसी खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें, जिसमें हममें से एक (न्यायमूर्ति शैल जैन) सदस्य न हों, मुख्य न्यायाधीश के आदेशों के अधीन।"

अब यह प्रकरण किसी अन्य खंडपीठ के समक्ष सम्भवतः 19 दिसम्बर को आएगा।

इंडिगो के वकील वी. लक्ष्मीकुमारन ने कहा कि एयरलाइन ने बिना किसी विवाद के बेसिक कस्टम ड्यूटी का भुगतान किया था, जब उसके विमान के इंजन और पार्ट्स मरम्मत के बाद पुनः आयात किए गए थे।

दिल्ली में वायु प्रदूषण में भारी तेजी

ग्रैप-3 नियम लागू करने के कुछ ही घंटों में ग्रैप-4 नियम लागू किए गए

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण तेजी से बढ़ ने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शनिवार को सुबह ग्रैप-3 लागू किया और शाम होते-होते ग्रैप-4 लागू करने की स्थिति बन गयी। ग्रैप, यानी चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना के चार चरण हैं जिनके तहत प्रदूषण कम करने के लिए जरूरी अलग-अलग उपायों को लागू किया जाता है। इसे लागू करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की है।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार तक ग्रैप-2 लागू था। आयोग ने शनिवार सुबह ग्रैप-3 लागू करने का फैसला किया जिसमें और कड़े प्रतिबंधों तथा अधिक उपायों का प्रावधान है। हालांकि इसके कुछ ही घंटे बाद तेजी से बढ़ ते प्रदूषण का हवाला देते हुए ग्रैप-4 लागू कर दिया गया।

- **वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग ने कहा, एयर क्वालिटी इंडैक्स अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है तुरंत सुधार होने की संभावना नहीं है।**

आयोग ने शनिवार शाम जारी एक बयान में कहा कि शहर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। दिल्ली में शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 दर्ज किया गया, जो धीमी हवा की गति, स्थिर वातावरण, खराब मौसम की स्थिति और प्रदूषकों के खराब फैलाव के कारण शाम छह बजे तक बढ़ कर 441 हो गया।

बयान में कहा गया है, "एक्यूआई अति-गंभीर श्रेणी के करीब पहुंचने और मौसम की स्थिति में तुरंत कोई सुधार की संभावना न होने के कारण ग्रैप-4 के तहत सभी उपायों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला किया गया है।"

ग्रैप-4 के उपाय तब लागू किये जाते हैं जब एक्यूआई 450 से ऊपर चला जाता है या उसके ऊपर जाने का अनुमान होता है। इसमें स्थानीय प्रशासन के फैसलों के आधार पर निर्माण गतिविधियों पर रोक, कुछ पुराने मानकों के वाहनों के प्रवेश पर रोक और स्कूलों को बंद करने जैसे सबसे सख्त प्रतिबंध शामिल हैं।

हिट एण्ड एन केस, आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा, वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है।

'मोदी सरकार नाम बदलने में धुरंधर है'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना-मनरेगा का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि पूरे देश को मालूम है कि नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है लेकिन अब यह भी साफ हो गया है कि उसे सिर्फ पंडित जवाहर लाल नेहरू से ही नहीं, बल्कि महात्मा गांधी नाम से भी नफरत है।

कांग्रेस ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा योजना चल रही थी और लंबे समय से इस योजना के तहत गांवों में लोगों को रोजगार मिल रहा है लेकिन अब गांधी शब्द हटाकर सरकार ने योजना का नाम बापू कर दिया है जिससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार को गांधी नाम से भी नफरत है।

- **मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तंज कसा।**

पार्टी संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय पर कहा, "योजनाओं के नाम, कानून के नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है, इसका कोई मुकाबला नहीं है। निर्मल भारत अभियान को स्वच्छ भारत अभियान बनाया, ग्रामीण एलपीजी वितरण कार्यक्रम को उज्ज्वला नाम दिया... पैकेजिंग, ब्रांडिंग और नाम देने में ये धुरंधर है।"

उन्होंने कहा "हैरानी इस बात की है कि पंडित नेहरू से तो इन्हें नफरत है लेकिन महात्मा गांधी से इतनी नफरत, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना 2005 से चल रही है... इसका नाम आप पूज्य बापू रोजगार गारंटी योजना कर रहे हैं, महात्मा गांधी नाम से क्या दिक्कत है..."

पंकज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीयूष गोयल रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा करेंगे।

भारत पर लगे टैरिफ के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन, 13 दिसंबर। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाये गये 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को पेश किये गये इस प्रस्ताव में इन शुल्कों को अवैध बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रैप्रेज़ेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया।

- **तीन सदस्यों ने कांग्रेस के निचले सदन, "हाउस ऑफ रैप्रैजेंटेटिव" में प्रस्ताव पेश किया**
- **प्रस्ताव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी व राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया और ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को अमेरिका के लिए नुकसानदेह बताया।**

रॉस ने कहा, "उत्तर कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक जीवंत भारतीय अमेरिकी समुदाय के ज़रिए भारत से गहराई से जुड़ी हुई है।" उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियों ने राज्य में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर्स में हज़ारों नौकरियाँ पैदा हुई हैं, जबकि उत्तर कैरोलिना के कारोबारी हर साल भारत को हजारों डॉलर का सामान मुहैया कराते हैं।

वेसी ने कहा, "भारत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और ये अवैध टैरिफ उत्तरी टेक्सास के लोगों पर एक रोज़मर्रा का कर हैं जो पहले से ही बढ़ ती कीमतों से जूझ रहे हैं।"

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने टैरिफ को नुकसानदायक बताते हुए कहा कि वे आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुँचाते हैं, और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ ाते हैं। उन्होंने कहा कि शुल्क खत्म करने से अमेरिका-भारत आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मज़बूत होगा।

यह प्रस्ताव कांग्रेसी डेमोक्रेट्स द्वारा ट्रंप के एकतरफा व्यापारिक कार्यों को चुनौती देने और भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को फिर से ठीक करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अक्टूबर की शुरुआत में रॉस, वेसी और कृष्णमूर्ति ने कांग्रेसी रो खन्ना और 19 अन्य सांसदों के साथ मिलकर राष्ट्रपति से टैरिफ नीति को पलटने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने का आग्रह किया था।

पार्टीशन के आठ दशक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देती है। यह परोक्ष रूप से एक असहज ऐतिहासिक सच्चाई को स्वीकार करती है कि संस्कृत की दुनिया उन इलाकों तक फैली हुई थी, जो आज पाकिस्तान के भीतर आते हैं, और जिनका बौद्धिक व सांस्कृतिक संबंध कश्मीर से रहा है। सीमाओं के बनने से बहुत पहले, संस्कृत के शास्त्रीय ग्रंथ-दर्शन, महाकाव्य और टीकाएँ-इसी भूभाग में लिखे, पढ़े और आगे बढ़ाए गए। कश्मीर स्वयं संस्कृत अध्ययन का एक बड़ा केन्द्र था, जहाँ से कश्मीर शैव दर्शन जैसी प्रभावशाली परंपराएँ निकलीं, जिन्होंने घाटी से बहुत दूर भारतीय दर्शन को आकार दिया।

संस्कृत को अपनी ही विद्वत परंपरा के हिस्से के रूप में अपनाकर पाकिस्तान इस धारणा को कमजोर करता है कि सभ्यतागत इतिहास को मौजूदा राजनीतिक सीमाओं और दावों का साफ-साफ आईना होना चाहिए। इससे न तो पाकिस्तान का कश्मीर पर आधिकारिक रुख बदलता है और न ही भारत के क्षेत्रीय दावों को वैधता मिलती है। लेकिन यह कश्मीर को एक हथियारबंद एकल पहचान के बजाय, सदियों में बनी कई परतों वाली सभ्यता के रूप में देखने की बौद्धिक गुंजाइश ज़रूर खोलता है।

- **क्या इसका यह अर्थ लगाया जा सकता है कि दक्षिण एशिया में शांति ज़मीन की मिल्कियत के बारे में समझौतों से नहीं, बल्कि उस साहस को स्वीकार करने से आएगी कि दोनों देशों की ऐतिहासिक धरोहर व पृष्ठभूमि में काफी समानताएं हैं, काफी "ओवर लैपिंग" है।**

यह अंतर शांति के लिए मायने रखता है। कश्मीर आंशिक रूप से इसलिए भी अनसुलझा रहा है, क्योंकि वह दोनों पक्षों के लिए पहचान का प्रतीक बन चुका है, जहाँ बारीकियों या साझा स्मृतियों के लिए बहुत कम जगह बचती है। सांस्कृतिक कट्टरता राजनीतिक रुख को और कठोर बना देती है। इसके विपरीत, अकादमिक जुड़ाव जटिलता और ऐतिहासिक गहराई लाता है, वही तत्व, जो सुलह के लिए जरूरी है, लेकिन जिन्हें राजनीति अक्सर दबा देती है।

इसका एक शांत मानवीय पक्ष भी है। जब पाकिस्तानी विद्वान कश्मीर के बौद्धिक इतिहास से जुड़े संस्कृत ग्रंथों का गंभीर अध्ययन करते हैं, तो कश्मीर केवल नक्शे की समस्या नहीं रह जाता, बल्कि एक जीती-जागती, विवादित विरासत के रूप में सामने आता है। यह भारतीय पाठकों को भी चुनौती देता है कि वे ऐसे प्रयासों को खतरे या समझौते के रूप में नहीं, बल्कि साझा सभ्यतागत स्वामित्व के दावे के रूप में देखें।

ऐसे समय में जब कश्मीर पर औपचारिक बातचीत रूकी हुई है और भरोसा बढ़ाने के उपाय लगभग नहीं के बराबर हैं, इस तरह की पहलें इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये राज्य की औपचारिक राजनीति से नीचे के स्तर पर काम करती हैं। ये न तो सीमाएँ बदलती हैं और न ही विवाद सुलझाती हैं, लेकिन वे उस सभ्यतागत कठोरता को ढीला करती हैं, जो इन विवादों को स्थायी रूप से जमाए रखती हैं।

इस मायने में, लाहौर की संस्कृत की क्लास सिर्फ़ अतीत से जुड़ी बात नहीं है। यह एक गहरी आधुनिक धारणा पर सवाल उठाती है कि इतिहास भी, ज़मीन की तरह, विशेष रूप से एक ही कहानी का होना चाहिए।

एक साझा बौद्धिक विरासत को फिर से खोलकर, संस्कृत के साथ पाकिस्तान का यह जुड़ाव एक मामूली, लेकिन शक्तिशाली याद दिलाता है कि दक्षिण एशिया में शांति की शुरुआत शायद ज़मीन के समझौतों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के मिले-जुले इतिहास को स्वीकार करने के साहस से हो सकती है।

'ग्राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि पंचायती राज विभाग ने गत 10 जनवरी को पंचायती राज अधिनियम की धारा 101 के तहत पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्सीमांकन, नवसृजन और पुनर्गठन के लिए जिला कलेक्टर से प्रस्ताव मांगे थे। राज्य सरकार ने धौलपुर व करौली जिला कलेक्टर की ओर से भेजे गये प्रस्तावों को नहीं मानते हुए, गत 20 नवंबर को मनमाने तरीके से संबंधित ग्राम पंचायतों के मुख्यालय बदल दिए। इसके अलावा, करौली जिले से जुड़े मामले में पंचायत मुख्यालय करीब 14 किलोमीटर दूर कर दिया, जबकि नियमानुसार यह दूरी अधिकतम पांच किलोमीटर से अधिक नहीं हो सकती। याचिकाओं में कहा गया कि इन ग्राम पंचायत मुख्यालयों में पहले से ही राज्य सरकार से सभी कार्यालय मौजूद हैं। इसके बावजूद सरकार ने मनमाने तरीके से अधिसूचना जारी कर इनके मुख्यालय बदल दिए। उक्त मामलों पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्ष 2022 से ही मनरेगा केन्द्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच टकराव का कारण बन गया था, जब केन्द्र सरकार ने योजना के कार्यान्वयन में कथित वित्तीय गड़बड़ियों का हवाला देते हुए राज्य को दी जाने वाली मनरेगा धनराशि रोक दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केन्द्र को इस योजना को फिर से शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन इससे स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को केन्द्र के दिशा-निर्देशों के पेपर को फाड़ते हुए देखा गया था। मनरेगा को बदलते हुए, केन्द्र सरकार विपक्ष द्वारा आरोपित यह छवि मिटाना चाहती है कि केन्द्र विपक्ष शासित राज्यों को केन्द्रीय निधियों से वंचित कर रहा है। अभी तक, कांग्रेस मनरेगा योजना का श्रेय लेती रही है, तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय और गैर-एनडीए पार्टियाँ केन्द्र सरकार पर राज्य को मनरेगा फंड से वंचित करने का आरोप लगाती रही हैं। इस एक्ट का नाम बदलकर और इसके दायरे को बढ़ाकर, एनडीए सरकार यह दावा कर सकती है कि उसने ग्रामीण रोजगार सृजन में यूपीए के मुकाबले अधिक काम किया है। अधिकारियों ने कहा, नए प्रस्तावित कानून की विशेषताएँ अभी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह योजना विकसित भारत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजना के तहत आएगी। पीबीजीआरजी के तहत प्राथमिकता जल सुरक्षा को दी जाएगी और काम विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के तहत किया जाएगा, ताकि खेती के मौसम के दौरान श्रमिकों की कोई कमी न हो।

अपने गढ़ में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छोड़ दी, तो इससे पहले थरूर सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई उस बैठक से भी नदारद रहे, जहां पार्टी की शीतकालीन सत्र की रणनीति पर चर्चा होनी थी। वहीं अब अपने लोकसभा क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर विरोधी दल को थरूर द्वारा बधाई देना भी चर्चा का विषय बन चुका है।

केरल स्थानीय निकाय चुनाव के परिणामों के बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर का संसदीय क्षेत्र तिरुवनंतपुरम चर्चा का विषय बना गया है। कारण है, थरूर के संसदीय क्षेत्र में भाजपा की बढ़ त, जिससे कांग्रेस के लिए मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण बन गया है। ताजा अपडेट के अनुसार तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों के आए नतीजों में भाजपा समर्थित एनडीए ने 50 सीटों पर कब्जा जमाया है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा-एनडीए को मिले जनादेश पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने इसे केरल की राजनीति का निर्णायक मोड़ बताया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908